HAPPY
New Year
2025

7 से 21 जनवरी 2025

टेक्सटाइल वर्ल्ड

SHREE KARNI TEXTILE MILLS (ICH) 1997 ®

Karni's®

COTTON FABRICS

PRESSCOTT®
PREMIUM COTTON FABRICS

LINEN MONARCH®
FABRICS THAT BREATHE !

Karni Textile Mills Pvt. Ltd. | **Karni Textile Industries LLP.**

23/137, Gate No. 892, Shahpur Road,
Ichalkaranji-416115, Kolhapur, Maharashtra

Grampanchayat, No.1698/11, 12, Godown,
Gala No.E/105, Swagat Complex, Rahnal,
Bhiwandi, Thane-421 302

P-12, New Howrah Bridge Approach Road,
2nd Floor, Baiju Chowk, Kolkata-700 001.

E-mail: sales@karnimills.com **Website:** www.karnimills.com

PRESSCOTT® PREMIUM COTTON FABRICS
Karni's® COTTON FABRICS
LINEN MONARCH® FABRICS THAT BREATHE !

करणी टेक्सटाइल | ऑल इंडिया डीलर्स कॉन्फ्रेंस ऋषिकेश में उत्साह के साथ संपन्न

कुर्ता फैब्रिक, प्योर लिनन, प्रिंट व एम्ब्रॉयडरी में धमाकेदार बुकिंग

ऋषिकेश / कुर्ता फैब्रिक एवं लिनन फैब्रिक में निरंतर डवलपमेंट में अग्रणी 'करणी टेक्सटाइल', इचलकरंजी द्वारा आगामी ईद एवं वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए 9 से 12 दिसंबर, 2024 को ऋषिकेश की पावन धरा पर स्थित पाँच सितारा होटल शिवा में भव्य डीलर्स कॉन्फ्रेंस का धमाकेदार आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस का शुभारम्भ कम्पनी के मेनेजिंग डायरेक्टर श्री गोपालदास राठी, डायरेक्टर श्री धिरिराज राठी, युवा एवं अनुभवी डायरेक्टर श्री अर्चित राठी, श्री उज्ज्वल राठी, राठी परिवार की नयी सदस्या सोनल अर्चित राठी एवं ऑल इण्डिया से पधारे सभी डीलर्स की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कम्पनी के डायरेक्टर श्री गोपालदास राठी ने बताया कि यह कॉन्फ्रेंस आगामी सीजन को ध्यान में रखकर आयोजित की गई, जहां ऑल इण्डिया से लगभग 200 डीलर्स ने शामिल होकर कम्पनी के सभी उत्पादों की जमकर प्रशंसा की और उपस्थित डीलर्स ने कहा कि यहां प्रदर्शित की गई सभी रेंज आगामी सीजन के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। इसके सभी कलर चार्ट एवं डिजाइंस बाजार में डिमाण्ड के साथ बिकने वाले हैं।

मंत्रमुग्ध करने वाला फैब्रिक डिस्प्ले

कम्पनी के युवा व अनुभवी डायरेक्टर श्री अर्चित राठी एवं श्री उज्ज्वल राठी ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए काफी नए डवलपमेंट पेश किए गए, जिससे कम्पनी के बहुचर्चित ब्राण्ड 'प्रेस कोट' में फैंसी कुर्ता, शर्टिंग फैब्रिक में एम्ब्रॉयडरी, लॉग क्लॉथ, प्रिन्ट्स, 'लिनन मोनार्क' ब्राण्ड में शत-प्रतिशत लिनन, डिजिटल प्रिंट, लिनन शर्टिंग, एम्ब्रॉयडरी, वैल्यू एडेड एवं 'करणी' ब्राण्ड में 36", 44" एवं 58" कुर्ता फैब्रिक, एम्ब्रॉयडरी एवं कुर्ता आइटम की विस्तृत रेंज का भव्य डिस्प्ले किया गया। इन सभी रेंज के कलर चार्ट एवं डिजाइंस देखकर व्यापारी मंत्र-मुग्ध हो गए और उन्होंने जमकर बुकिंग कराई।

कम्पनी मैनेजमेंट में स्वागत

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी मैनेजमेंट में नयी सदस्या सोनल अर्चित राठी का परिचय करवाया गया एवं उपस्थित सभी व्यापारियों ने स्वागत करते हुए कहा कि कम्पनी की मैनेजमेंट टीम में युवाओं का होना आवश्यक है, क्योंकि वो समय-समय पर न्यू डवलपमेंट की ओर अपना ध्यान केन्द्रित कर सके और हमें नयी-नयी रेंज देखने का मौका मिले। सोनल अर्चित राठी ने सभी व्यापारियों का धन्यवाद किया एवं उन्हें आश्वस्त किया कि कम्पनी हमेशा उनके साथ खड़ी है।

व्यापारियों में दिखा उत्साह

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान व्यापारियों का उत्साह देखने लायक था। एक तरफ कम्पनी द्वारा प्रदर्शित की गई रेंज व्यापारियों को अच्छी लगी, वहीं दूसरी तरफ ऋषिकेश की पावन धरती पर गंगा आरती का सौभाग्य सभी को उत्साहित करने वाला था। व्यापारियों ने ऋषिकेश के सभी साईट सीन का विजिट किया।

डीलर्स को किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान कम्पनी के मेनेजिंग डायरेक्टर श्री गोपालदास राठी, डायरेक्टर श्री धिरिराज राठी, श्री अर्चित राठी, श्री उज्ज्वल राठी ने ऑल इण्डिया से पधारे सभी करणी व्यापारियों को सम्मानित करते हुए धन्यवाद किया कि आप सभी राठी परिवार के साथ वर्षों से जुड़े हैं, जो बड़े गर्व की बात है। कम्पनी हमेशा आप सभी को नया-नया डवलपमेंट पेश करती रहेगी।

Happy New Year 2025
पाक्षिक
टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 09-01-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-27 | अंक-14 | भीलवाड़ा/ 07 जनवरी, 2025 | कुल पृष्ठ- 24 | मूल्य : 25 रुपए | 1

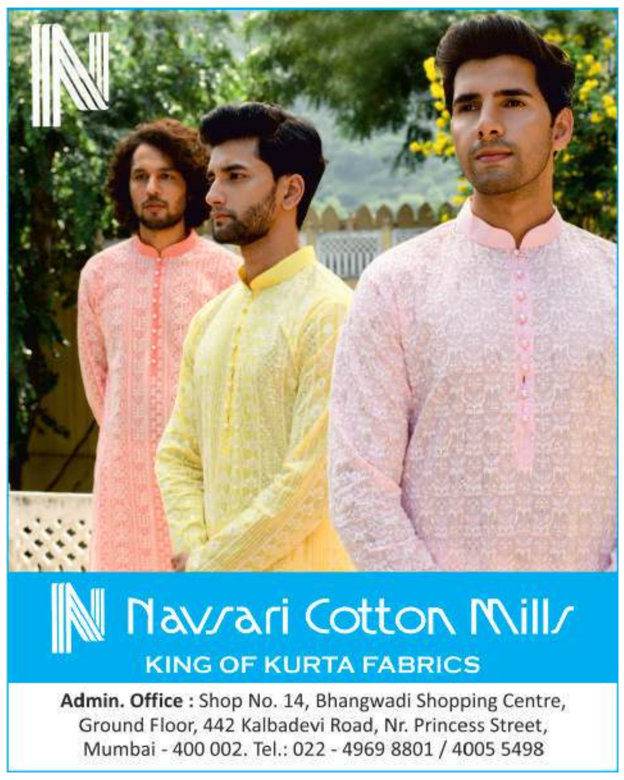

क्वालिटी, कॉस्ट, नवीनता और ट्रेण्ड फोकस्ड स्टाइलिश गारमेंट आज की पसंद

मुम्बई / रमाशंकर पाण्डेय

गारमेंट में रिटेल की मांग घट गई है। खरमास होने के कारण वैवाहिक सीजन की ग्राहकी नहीं है, लेकिन जनवरी मध्य से सीजन का दूसरा दौर शुरू होने के बाद कपड़ों के साथ गारमेंट में कारोबार फिर से सुधरने की संभावना व्यक्त की जा रही है। रिटेलरों के पास फिनिश वैरायटी का स्टॉक भरपूर है। देसावरी मंडियों की मांग फैंसी वैरायटी के बदले कड़ाके की पड़ रही ठण्ड के कारण सिर्फ गरम वैरायटी तक सीमित है। सर्दी की सीजन में गरम कपड़ों की मांग अच्छी नहीं है। गारमेंट में निर्यात कामकाज सुधरने से इकाइयों के पास भरपूर ऑर्डर होने से गारमेंट उत्पादन एवं कारोबार सुधरने की उम्मीद है।

गारमेंट आयात की सोर्सिंग स्ट्रेटजी बदली है। भारत कास्ट, क्वालिटी और इन्नोवेशन संतुलन पर जोर है। बांग्लादेश और चीन अब तक भारत के अपेरल खरीददारों के लिए परंपरागत सबसे बड़े सोर्सिंग हब माने जाते हैं, लेकिन बांग्लादेश से 10.43 प्रतिशत और चीन से आयात 6.34 प्रतिशत घटा है और श्रीलंका से 13.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ मजबूत भागीदार बनकर उभरा है। अपेक्षित क्वालिटी, लागत और समय पर डिलिवरी के मामले में श्रीलंका पर विश्वास बढ़ा है। प्रीमियम सेगमेंट के गारमेंट के लिए भारत के ग्राहक इटली और स्पेन को पसंद करते हैं। इन देशों में गारमेंट की क्वालिटी, नवीनता और ट्रेण्ड फोकस्ड स्टाइल को प्रधानता दी जाती है।

भारत में गारमेंट का निर्यात ऑर्डर बढ़ रहा है। अमेरिका एवं यूरोप के देशों में क्रिसमस वेकेशन होने के कारण गारमेंट का शिपमेंट अभी नहीं हो रहा है, परंतु विदेशी गारमेंट ब्राण्ड जो बांग्लादेश और चीन गारमेंट की खरीदी अधिक कर रहे थे, वें अब बांग्लादेश में फैली अनिश्चितता एवं अशांति सहित चाइना प्लस वन पॉलिसी के तहत इनका झुकाव अब भारत की ओर बढ़ने लगा है। इसलिए तिरूपुर एवं नोएड़ा की गारमेंट इकाइयों में भरपूर ऑर्डर आने से गारमेंट उद्योग में अच्छे कारोबार होने के संकेत मिल रहे हैं। नीट वियर के निर्यात में तिरूपुर सबसे आगे है। डॉलर की तुलना में भारतीय रूपये का मूल्य कम होने का लाभ भी गारमेंट निर्यातकों को मिलेगा। क्लोदिंग मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 80वाँ नेशनल गारमेंट फेयर 15 से 17 जनवरी, 2025 को बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। देश से गारमेंट का निर्यात बढ़ रहा है और आयात घट रहा है। निर्यात वृद्धि की गति अभी धीमी है, लेकिन तिरूपुर के नीट वियर का निर्यात 2024-25 के पहले पाँच माह में 13 प्रतिशत तक बढ़ा है, वहीं नीटेड और वोवन कैटेगरी के आयात में गिरावट आई है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के आँकडों के अनुसार एपेरल का आयात जनवरी से सितम्बर, 2024 के दौरान 6.83 प्रतिशत घटकर 1.09 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1.17 अरब डॉलर था।

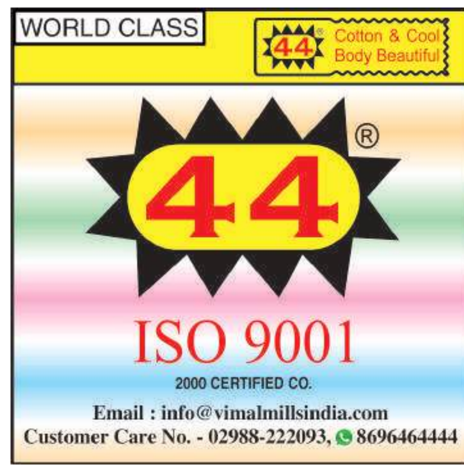

गरम कपड़ों की मार्केट में ग्राहकी जबरदस्त

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

आलोच्य अवधि में मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मेरठ सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश के प्रायः सभी क्षेत्रों में फिलहाल जबरदस्त शीत लहर जारी है। अभी कोई प्रमुख त्योहार एवं लग्न-सावा मुहूर्त भी नहीं है, जिसके कारण बाजार में मंदी का माहौल है। दुकानदार छुटपुट बिक्री से ही संतोष कर रहे हैं अथवा बिक्री बहुत ही कम है। साड़ियां, लेड़ीज सूट्स, सूटिंग-शर्टिंग और सभी में काम कम है। यद्यपि 15 जनवरी से लग्न-सावा मुहूर्त है, उसके बाद ही बाजार में बिक्री की उम्मीद है। अभी छुटपुट बिक्री गरम लेड़ीज सूट, शॉल, लोई, कंबल इत्यादि की मार्केट में ग्राहकी है। मुजफ्फरनगर के सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठित व्यापारी सर्वश्री विनोद डाबर,

सुरेश गोयल, मनोहर लाल, सुदर्शन खरबंदा, के पी त्यागी, गुलाटी जी, इंद्र सुनेजा, पवन बत्रा, लक्ष्मण रस्तोगी, सुशील छाबड़ा, अशोक छाबड़ा, अमित सिंघल, आशीष सिंगल, घनश्याम पालीवाल, वैभव खन्ना आदि के अनुसार आने वाले लग्न-सावा को देखते हुए जल्द ही जबरदस्त ग्राहकी चलने की उम्मीद है।

कड़ाके की ठण्ड से गर्म वस्त्रों की बम्पर बिक्री

उदयपुर/ नवीन कोठारी

मलमास के चलते वस्त्र बाजार में ऑफ सीजन होने के बावजूद गरम वस्त्रों की बम्पर बिक्री हो रही है। पिछले दिनों हुई मावठ के पश्चात शीत लहर ने शहरवासियों को दिन में भी अलाव तापने पर मजबूर कर दिया। क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने के लिए पिछले करीब दस दिनों से दूसरे शहरों से बड़ी संख्या में पर्यटकों का आना जाना लगा है, जिससे सड़कों पर पूरे दिन ट्राफिक जाम रहने लगा है। अधिकांश गुजरात के पर्यटकों को सर्दी सहन नहीं होने के कारण ऊनी वस्त्र बाजार से गर्म वस्त्र खरीदते देखा जा रहा है। शहर में सभी प्रमुख प्रवेश मार्गो पर ऊनी वस्त्रों की दुकानें लग गयी है। जानकारों की माने तो उत्तरायण तक गर्म वस्त्रों की मांग में तेजी रहने के आसार हैं। उसके पश्चात वैसे भी मलमास समाप्त हो जाएगा और फिर सर्दी के रूख के मुताबिक वस्त्रों की बिक्री चलती रहेगी। उत्तरायण के बाद वैवाहिक तारीखों की शुरूआत होने से अन्य वस्त्रों की बिक्री में भी इजाफा देखने को मिलेगा।

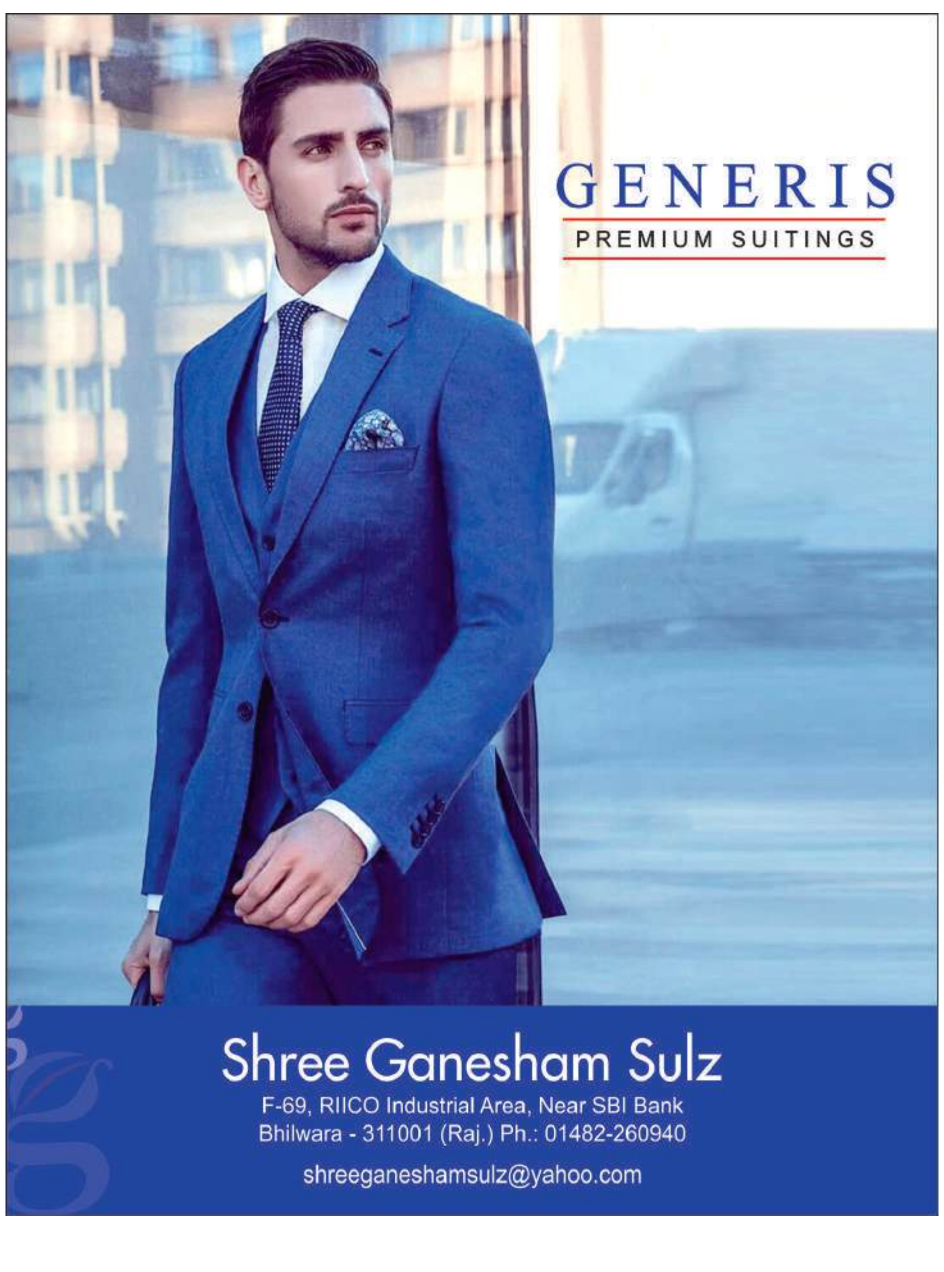

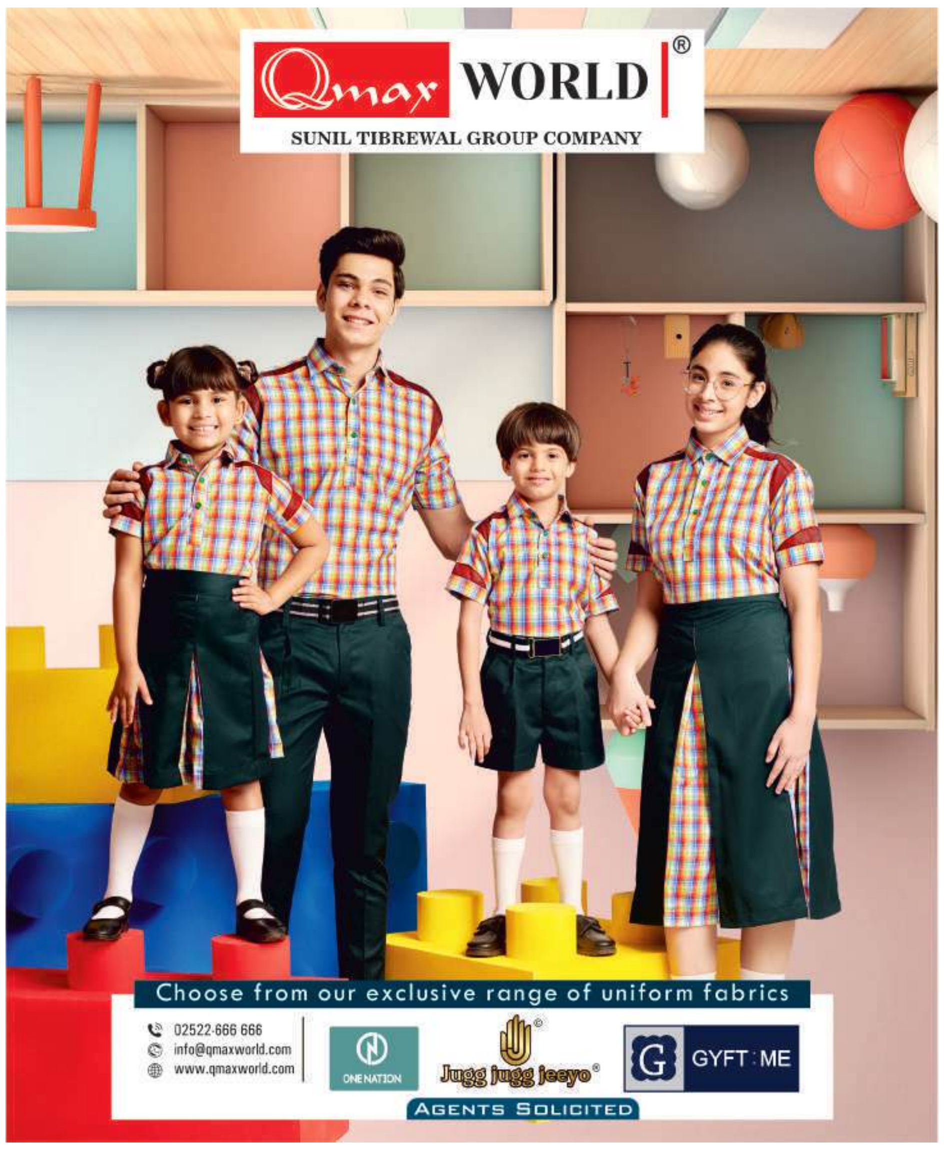

नववर्ष पर खरीददारी में व्यस्त दिखे सैलानी

जयपुर/ ओम जैन

नववर्ष के आगमन पर जयपुर में सैलानियों की भीड़ हर तरफ नजर आ रही है। किसी भी बाजार में जाए सैलानी खरीददारी में व्यस्त है एवं रोड़ पर जाम की स्थिति दिनभर बनी रहती है। मलमास के कारण होलसेल व्यापारियों के पास काम नहीं है। जयपुर के आसपास काफी मण्डियां विकसित होने के कारण जयपुर मण्डी में खरीददार कम आ रहे हैं। ज्यादातर होलसेल व्यापारियों ने अपना व्यापार भी समय के अनुसार बदलाव कर लिया है। अधिकतर व्यापारी रिटेल व्यवसाय में परिवर्तन हो गए, जो एक समय में दुकानदार को फुर्सत नही होती आज वहीं व्यापारी रिटेल में परिवर्तन कर लिया। कुछ व्यापारियों ने स्थान परिवर्तन कर कुर्ती, सलवार सूट, ग्रे माल की ओर लग गए हैं। सलवार, कुर्ती में कॉटन माल या ग्रे एम्ब्रॉयडरी की मांग थोड़ी-थोड़ी चल रही है। जयपुर प्रिंट में अब ग्राहकी प्रारम्भ हो गयी है। आगामी जून माह तक कॉटन माल की मांग बनी रहेंगी। प्रिंट साटन, लिनन, प्रिंट में सूरत का माल आना शुरू हो गया है। अभी कुर्ती के व्यापारियों के पास स्टॉक जबरदस्त पड़ा है, इस कारण अभी सिर्फ आगामी सीजन में सेम्पल तैयार करा रहे हैं।

Follow us
textileworld.tw
Brand Promotion & Textile News

पाली- बालोतरा के माल की अभी विशेष मांग नहीं होने से बाजार स्थिर है। आगामी ग्राहकी प्रारंभ होते ही भाव बढ़ सकते हैं। पोपलीन में अभी रेडीमेड पेटीकोट की मांग बनी हुई है। फैंसी ब्लाउज की मांग पहले से कमजोर है, वहीं मध्यम परिवार रेडीमेड ब्लाउज का माल खरीद रहे हैं। आगामी सीजन को देखते हुए व्यापारी स्कूल यूनिफॉर्म कपड़े की खरीद प्रारंभ कर रहे हैं। सर्दी के स्कूल ड्रेस ट्राउजर्स की सप्लाई है, बाकी माल की बिक्री कम है। मकर संक्रांति बाद शादी-विवाह की ग्राहकी भी रिटेल में प्रारम्भ हो जाएगी। साड़ी के व्यापारियों ने नए साल में सूरत जाकर खरीदी शुरू कर दी है।

100 % Giza Cotton
Luxury Shirting Fabric
LINEA LUSSO ITALY
By
TESSITURA MONTI
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
Mill:
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027, INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in
www.monti.co.in
Tessitura Monti India Pvt. Ltd.
BORN IN ITALY 1911
BCI
Auth. Distributors : Maharashtra, Gujarat, West Bengal & Uttar Pradesh - M/s Tushar Textiles , Mumbai
Karnataka, Goa, AP & Telangana - M/s Padam Fabrics , Bengaluru
Kerala, Karnataka & Goa - M/s Vogue Vastra, Bengaluru
AP & Telangana - M/s Payal Saree Centre, Hyderabad
Tamil Nadu - M/s Sri Prem Syndicate, Chennai
Rajasthan & Haryana - M/s Vinayaka Trading Co , Jaipur
Delhi NCR, Punjab, J & K - M/s SKSN Fabrics, Delhi
Bihar - M/s RC Fabtex , Patna

BAIRD Cotton
Finest Giza Shirting
An exquisite cotton shirting fabric collection crafted from the finest Giza cotton
For Agent/Dealer/Franchise store enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747 | Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@bairdcottonofficial | @bairdcotton_official | www.bairdcotton.com
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE IRELAND ESTD. 1912

CANNOLI
ITALY
FINEST GIZA COTTON SHIRTING FABRICS
Where Style meets attitude and fashion becomes a statement
FOR TRADE INQUIRES
AGENTS/DEALERS/ DISTRIBUTORS CALL:
MR. YOGESH JAIN- 9632110000
E-mail: mail@jsfashions.co.in
BRAND OWNED BY
J.S. FASHIONS (INTL) PVT. LTD.
IMPORTERS & EXPORTERS
BANGALORE (KARNATAKA)

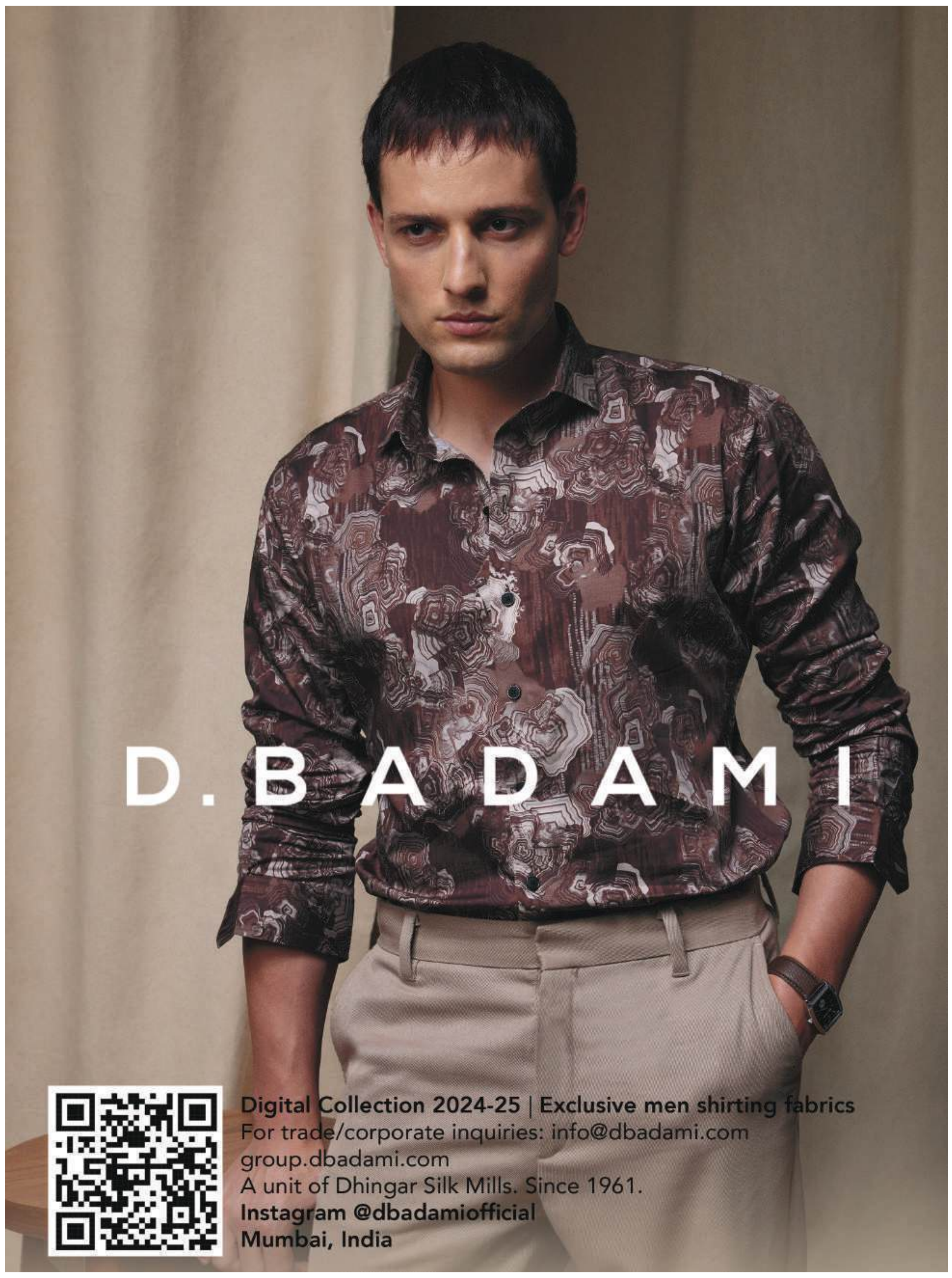
D.BADAMI
Digital Collection 2024-25 | Exclusive men shirting fabrics
For trade/corporate inquiries: info@dbadami.com
group.dbadami.com
A unit of Dhingar Silk Mills. Since 1961.
Instagram @dbadamiofficial
Mumbai, India

CADINI
ITALY
THE POWER OF PRESENCE
Styled to Perfection
www.cadini.com | www.cadiniitaly.in
Available at all leading retail outlets across the country. For trade/ corporate enquiries, contact: 022-68330500.

asharfi®
FABRICS

A Royal Product for Royal Class

Manufacturer of unique combos in Industry

PEOPLES CHOICE
HELD AT VARIOUS CONFERENCES 2023-2024

SCAN FOR CATALOGUE

Combos / Safaris / Suit Lengths / Ethnics

Currently Working With Some Leading Wholesalers & Distributers Across India

Asharfi Fabrics Pvt. Ltd.

For Trade Enquiry: - Call **-87088-98361, 92540-41864**

Website: www.asharfi.in | E-mail:customercare@asharfi.in | Panipat, Haryana (132103) Follow Us on :-

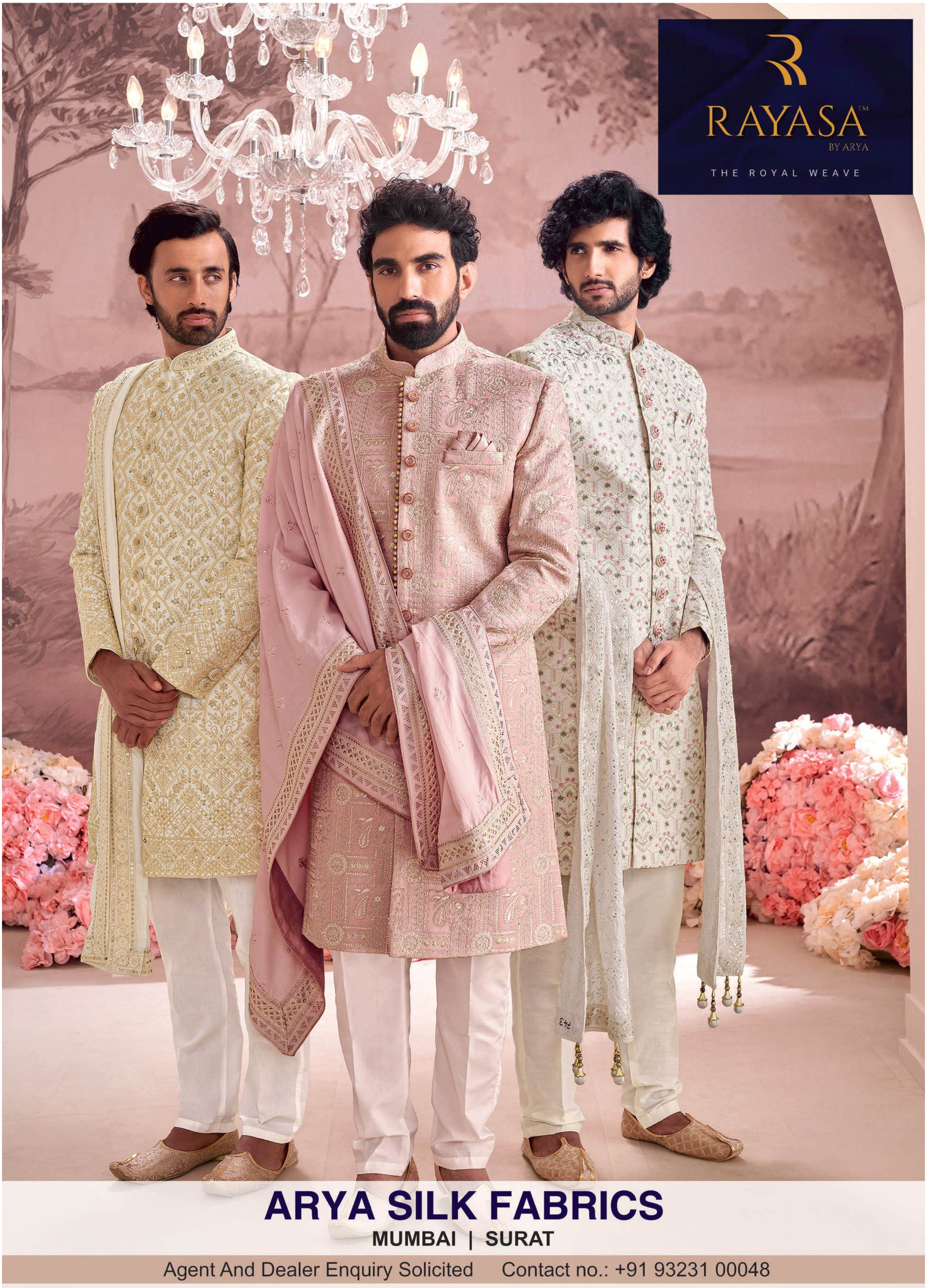
RAYASA™
BY ARYA
THE ROYAL WEAVE
ARYA SILK FABRICS
MUMBAI | SURAT
Agent And Dealer Enquiry Solicited
Contact no.: +91 93231 00048

सम्पादकीय....

स्कूली शिक्षा में सीखने की प्रक्रिया पर देना होगा अधिक ध्यान

यह स्वागतयोग्य है कि शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 की एक बड़ी विसंगति को केंद्र सरकार ने दूर कर दिया। अब नए सत्र से पाँचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले छात्र ही अगली कक्षाओं में जा सकेंगे। वर्ष 2010 से पूरे देश में आठवीं तक की कक्षाओं को पास-फेल के नियम से मुक्त कर दिया गया था। ऐसा इस सीमित तर्क की आड़ में किया गया था कि फेल होने से बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, उनका मनोबल गिर जाता है और तनाव में आ जाते हैं। इसलिए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट किया जा रहा था।

कोई बच्चा घर से तो स्कूल चला गया, लेकिन वह वास्तव में स्कूल में गया या नहीं या उसने क्या पढ़ाई की, इसकी जानकारी तभी मिलेगी, जब वह परीक्षा देने के बाद पास या फेल होगा। आठवीं तक फेल न करने की नीति के चलते बच्चे अगली कक्षा में तो पहुँच रहे थे, लेकिन उनमें से कइयों को आता-जाता कुछ भी नहीं था। इससे अगली कक्षा के शिक्षकों के सामने भी कई समस्याएं खड़ी होने लगी थीं। नतीजतन स्कूली शिक्षा में और भी गिरावट आती गई।

पिछले एक दशक से प्रथम और इस जैसी दूसरी संस्थाओं के सर्वे बार-बार यह रेखांकित कर रहे थे कि आठवीं के बच्चे को चौथी क्लास का गणित नहीं आता या पाँचवीं का बच्चा दूसरी क्लास की हिंदी की किताब भी नहीं पढ़ सकता। ऐसी रपटें आने के बाद दो-चार दिन तो शिक्षा व्यवस्था पर कुछ प्रश्न उठते, लेकिन उसमें सुधार के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा जाता। ऐसे में निजी स्कूल सरकारी स्कूलों के मुकाबले और आगे बढ़ते चले जा रहे थे। जिन सलाहकारों ने बच्चों को स्कूल न छोड़ने के लिए, फेल न करने का आसान रास्ता अपनाया, उन्होंने ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया, जिससे इस समस्या को दूर किया जा सकता।

जब यहीं बच्चे नौवीं-दसवीं में कई-कई बार अवसर देने के बावजूद भी फेल होते गए तो मजबूर होकर राज्य सरकारों ने केंद्र से गुहार लगाई कि फेल न करने की नीति तुरंत समाप्त की जाए, क्योंकि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और बिगड़ जाएगा। वर्ष 2016 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने राज्यों की बात पर ध्यान देते हुए इस नीति को बदलने की सलाह केंद्र सरकार को दी। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने राज्यों की सहमति से यह संशोधन तो कर दिया कि परीक्षा के बाद ही बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन इसे लागू करने के बारे में राज्यों के ऊपर छोड़ दिया। चूंकि शिक्षा का अधिकार समवर्ती सूची का कानून है इसलिए बिना दो-तिहाई राज्य सरकारों की सहमति के यह संभव नहीं था। दिल्ली, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल प्रदेश समेत 16 राज्यों ने इसे बदल दिया, लेकिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश जैसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पाँचवीं और आठवीं कक्षा में फेल न करने की नीति पर ही चल रहे थे। अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में पाँचवीं और आठवीं कक्षा में फेल करने की नीति इसी सत्र से लागू कर दी गई है।

इस सुधार में सबसे अच्छी बात यह है कि यदि कोई बच्चा फेल हो जाता है तो दो महीने बाद उसे एक मौका और दिया जाएगा। इस बीच स्कूल ऐसे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे। स्कूलों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देंगे और उनका नाम नहीं काटेंगे। यानी किसी भी हालत में बच्चों को उसी स्कूल में पढ़ने का अधिकार बना रहेगा।

वर्ष 1992 में आयी यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे 'बस्ते का बोझ' और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। इस सुधार के बाद स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और बच्चे सभी में पढ़ने-सीखने के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेंट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरु)

कुछ नया, कुछ अलग •

आत्मा को परमात्मा से जोड़ती कला यानी संगीत

नमस्ते मित्रों,

महाराष्ट्र के महान संत ज्ञानेश्वर को एक दिन एक प्रसिद्ध गायक मिलने आया। गायक ने संत ज्ञानेश्वर से कहा कि आप बहुत बेसुरा गाते हैं, आपको संगीत का कोई ज्ञान नहीं है। यह सुनकर संत ज्ञानेश्वर ने गायक से कहा की कल से मेरी संगीत सभा में आप गायन गाना शुरू कर दें। संत ज्ञानेश्वर की संगीत सभा में गाने का मौका मिलने से गायक काफी प्रसन्न हुआ, लेकिन धीरे-धीरे संगीत सभा में श्रोताओं की संख्या कम होती गई। यह देखकर गायक काफी बेचैन हुआ और संत ज्ञानेश्वर से पूछा कि मैं इतना बड़ा गायक हूँ और रोज सुर लगाकर गाता हूँ, फिर भी कोई मुझे सुनने क्यों नहीं आता? संत ज्ञानेश्वर मंद-मंद मुस्कुराते हुए बोले की तुम सिर्फ ताल और सुर पर ध्यान देते हो, जबकि मैं जब गाता हूँ तब भक्ति भाव पर ध्यान देता हूँ। जिसके कारण सुनने वाले भक्ति भाव में डूब जाते हैं और अपने-आप को परमात्मा के निकट पाते हैं।

दोस्तों, यह होती है संगीत की ताकत। संगीत एक ऐसी कला है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ती है। संगीत की भाषा, धर्म, जाति जैसी सीमाएं नहीं होती। दुनियाभर की विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं में संगीत की अहम भूमिका रही है। संगीत में एक ऐसी विशिष्ट क्षमता होती है, जो श्रोता को अलग ही मानसिक और भावनात्मक स्थिति का एहसास दिलाती है। संगीत सुनकर श्रोता आनंद की अनुभूति करता है। चाहें कोई छोटा हो या बड़ा, युवा हो या बुजुर्ग, मुफलिस हो या अमीर, संगीत सबको जोड़ने का काम करता है। संगीत के बिना जीवन की कल्पना कर पाना ही नामुमकिन है। भारतीय संस्कृति में भी संगीत की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हमारे देश में संगीत न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह आध्यात्मिकता से भी जुड़ा है। सनातन धर्म में सरस्वती माता को संगीत की देवी माना जाता है। सरस्वती माता के हाथों में संगीत के प्रतीक रुप में वीणा होती है। सभी नामचीन संगीत कलाकार अपनी प्रस्तुति से पहले सरस्वती माता को याद करते हैं। भारत में शास्त्रीय संगीत का विशेष महत्त्व है। पंडित भीमसेन जोशी, पंडित रविशंकर, किशोरी आमोनकर, पंडित जसराज जैसे कई विश्व विख्यात कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न रागों का उल्लेख सामवेद और भरत मुनि द्वारा रचित प्राचीन ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में मिलता है। हालांकि, सनातन संस्कृति में ऐसा माना जाता है कि भारतीय संगीत का प्रारंभ वैदिक काल से भी पुराना है।

भारतीय संगीत में सुगम संगीत का भी महत्वपूर्ण योगदान है। सुगम संगीत को काव्य संगीत के नाम से भी जाना जाता है। वह संगीत जिसे सहजता से गाया और बजाया जा सके, उसे सुगम संगीत कहते हैं। लोकगीत, त्योहार और उत्सवों पर गाए जाने वाले गीत, गजल, कव्वाली, भजन, फिल्मी गीत इत्यादि सुगम संगीत की श्रेणी में आते हैं। भारत में शास्त्रीय संगीत के मुकाबले सुगम संगीत ज्यादा लोकप्रिय है, क्योंकि सुगम संगीत को गाने अथवा समझने के लिए संगीत के कोई विशेष ज्ञान की जरूरत नहीं होती।

भारतीय इतिहास पर नजर डालें तो तानसेन और बैजु बावरा के बीच हुई संगीत प्रतियोगिता का किस्सा भी काफी मशहूर है। मुगल बादशाह अकबर ने अपने दरबार में संगीत प्रतियोगिता का आयोजन रखा। तानसेन उस वक्त के सबसे बेहतरीन संगीतकार थे और इसलिए उन्हें अकबर के दरबार में नवरत्नों में जगह मिली थी। चांपानेर के एक ब्राह्मण परिवार में जन्मे बैजु तानसेन से मुकाबला करने इस संगीत प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार हुए। बैजु ने एक के बाद एक प्रसिद्ध रागों में अपने गीत गाए, जिससे मुगल बादशाह अकबर काफी प्रभावित हुए। बैजु का नाम आज भारतीय संगीत इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाता है।

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टाइन ने एक बार कहा था 'मेरे जीवन में मुझे सबसे ज्यादा आनंद मेरे वायोलिन बजाने से मिला है।' संगीत हमें शांति और आनंद का एहसास दिलाता है। संगीत के सुर, ताल और राग हमें अपने अंतरात्मा से जोड़ते हैं। अपनी रोजमर्रा जिंदगी की भागदौड़ और तनाव के बीच संगीत हमें राहत देता है। दिनभर की मेहनत के बाद थके हारे लोग जब संगीत सुनते हैं, तो उनकी मानसिक और शारीरिक थकावट दूर हो जाती है। संगीत में यह जादू होता है।

मैं एक शायरी के माध्यम से अपनी बात को अल्पविराम देना चाहूंगा।

बेजान जिंदगी में कोई मन मीत होना चाहिए,
मन का मीत न हो तो साथ संगीत होना चाहिए।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

नए विकास के साथ फैंसी सूटिंग के लिए गुणवत्ता की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रसिद्ध

जैनम फैब प्राइवेट लिमिटेड

व्यक्तिगत रुप से हम एक बूंद है, साथ मिलकर हम एक महासागर हैं

श्री सम्पत बाफना

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में जैनम फैब प्रा. लि. एक जाना पहचाना नाम है। कम्पनी की शुरूआत श्री पारस मल बाफना ने वर्ष 1991 में सोना टेक्सटाइल प्रा. लि. की (स्वास्तिक) डीलरशिप लेकर एक छोटी ट्रेडिंग कम्पनी के रुप में बाफना ट्रेड़िंग कम्पनी की स्थापना की। वह अब कम्पनी के प्रबंध निदेशक है। कम्पनी की शुरूआत श्री अशोक कुमार जैन, श्री योगेन्द्र बाफना और श्री सम्पत बाफना ने क्रमशः कपड़ा व्यापार, मार्बल गैंगसा यूनिट और एस्टेट विकास के अपने मौजूदा व्यवसाय के अलावा एक नए उद्यम की खोज में थे। इसी दरम्यान सुपुत्र श्री पीयुष बाफना और श्री अर्चित जैन अपनी शिक्षा पूरी होने के बाद दोनों ही उत्सुकतापूर्वक और समान रुप से मौजूदा कारोबारी माहौल के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी संभावनाएँ तलाशने को तैयार थे। कम्पनी ने जॉब बेस्ड वर्किंग शुरू की। धीरे-धीरे इन्होंने सिंथेटिक्स कपड़ों का खुद का व्यवसाय शुरू किया। कम्पनी सिंथेटिक्स फैब्रिक्स में सबसे सम्मानित और विश्वसनीय नाम बन गया। कम्पनी के पास तीन पीढ़ियों का उद्योग शान और विशेषः मार्गदर्शन है। साथ ही अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं व क्वालिफाइड प्रोफेशनल से आज आईएसओ प्रमाणित कम्पनी है। श्री जैन और बाफना जी ने बताया कि हमारा दृष्टिकोण ग्राहक केंद्रित रहा है, जिसमें सर्वोच्च श्रेणी की गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करना, तकनीकी नवाचार और उन्नत क्षमताओं को शामिल करना शामिल है, जो नवीनतम प्रवृत्ति के अनुसार और निर्दिष्ट समय पर उत्पाद वितरीत करने के लिए प्रेरित करता है। कम्पनी के पास सल्जर, रेपीयर आदि अत्याधुनिक लूम भी है। कम्पनी के पास अपना स्वयं का कपड़ा नमूना विकास विभाग भी है, जिसमें एक बहुत ही परिष्कृत सिंगल कोण वार्पिंग मशीन और हैण्डलूम है, जो तेजी से बदलती फैशन दुनिया के साथ तालमेल रखने और मूल्यवान ग्राहकों द्वारा बनाई नई मांगों को पूरा करने के लिए आगे रहता है। हमारी एक सहयोगी कम्पनी है, जो वीरम क्लोथिंग प्रा. लि. है, जिसका निर्यात प्रभाग मुम्बई में स्थित है। इसका प्रबन्धन श्री मनीष बाफना द्वारा किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य आरएम जी सामग्री का निर्यात करना और दुनियाभर में विभिन्न एक्सपो में भाग लेकर विश्व फैशन के शान को अर्जित करना है। साथ ही श्री हिमांशु बाफना जैनम ब्राण्ड पूरे भारत में सूटिंग फैब्रिक्स के स्टोर्स मार्केट में बहुत तेजी से प्रवेश करने में सक्षम रहा है और इसने मुख्य रुप से फैंसी और क्वालिटी सूटिंग सप्लायर के रुप में अपनी जगह बनाई है।

प्रमुख उत्पाद

हमारे पास भारत के प्रसिद्ध मिलों और फैब्रिक आपूर्तिकर्ताओं के बराबर डिजाइन और नए विकास के साथ फैंसी सूटिंग के लिए गुणवत्ता की एक विस्तृत श्रृंखला है। साथ ही आरएमजी क्षेत्र में हमारे पास उत्तर से दक्षिण और सुदूर पूर्व से पश्चिम तक भारत को कवर करने वाले बहुत से आरएमजी निर्माताओं तक अच्छी पहुंच है। हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राहकों की आवश्यकताओं और विनिर्देशों के अनुसार गुणवत्ता प्रदान करना है। यह केवल हमारे इन-हाउस डिज़ाइन और डेवलपमेंट सेक्शन की वजह से संभव है, जिसमें सिंगल कोन वॉरपिंग और हमारे अपने परिसर में हैंडलूम की मदद है और हम अपने खुद के ब्रांड जैनम में भी काम करते हैं और फैंसी सूटिंग की आपूर्ति के लिए पूरे भारत को कवर करते हैं। हम डीलरों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय सम्मेलन भी आयोजित करते हैं, जिससे हमें प्रत्येक ग्राहक की जरूरत को समझने में मदद मिलती है और यह गुणवत्ता के भविष्य के विकास के लिए बहुत उपयोगी है।

जीएसटी और एमएसएमई का कपड़ा इण्स्ट्री पर प्रभाव

श्री बाफना ने बताया कि जीएसटी पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था और खास तौर पर कपड़ा उद्योग के लिए वरदान है। इसने सरकारी अनुपालन की प्रक्रियाओं को बहुत आसान और सुचारू बना दिया है। एकमात्र शुरुआती समस्या छोटे कपड़ा व्यापारियों और दुकानों को झेलनी पड़ी क्योंकि वे इस प्रणाली को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि इसके लिए उचित योजना और समय पर निर्णय लेने की आवश्यकता होती है जो छोटे व्यापारियों को स्वीकार्य नहीं था।

रिपोर्ट- शिव कुमार कौशिक

उद्योग व्यापार मंडल द्वारा प्रधानमंत्री जी को ज्ञापन

ई-कॉमर्स से संबंधित समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान खींचा

मुजफ्फरनगर / अजय कुमार सिंघल

उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मंडल रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा एक ज्ञापन 'ऑनलाइन की असीमित क्षेत्र में अनियमित घूसपैठ' के विरोध में प्रधानमंत्री जी के नाम नगर मजिस्ट्रेट श्री विकास कश्यप को सोंपा गया, जिसका विषय निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धात्मक, एमएसएमई हितों, उपभोक्ता संरक्षण, छोटे दुकानदारों के हितों की रक्षा के लिए और ई-कॉमर्स में भी विनियमन अधिनियम बनाये जाने के संदर्भ में दिया गया। प्रधानमंत्री जी का ध्यान भारतीय ई-कॉमर्स उद्योग में विनियमक निरीक्षण की तत्काल आवश्यकता की ओर आकर्षित किया गया। ई-कॉमर्स ने कुछ ऐसी प्रथाओं को जन्म दिया है, जो निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को खतरे में डालते हैं विशेष रूप से एमएसएमई खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को भी प्रभावित करती हैं। विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को तभी पूरा किया जा सकता है, जब स्थानीय उत्पादन, स्थानीय व्यापार एवं स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए, जिसके लिए व्यापार मंडल सतत प्रय|शील है, लेकिन यह ई-कॉमर्स कम्पनियाँ कानून का उल्लंघन करते हुए उसमें बाधक बन रही हैं।

खुदरा व्यापार और एमएसएमई क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था की रीड है और यह अनैतिक प्रथाओं से लगातार चुनौती का सामना कर रहा है, जिन्हें अगर नियंत्रित नहीं किया गया तो यह इसके विकास व्यापार और जीडीपी में योगदान को खतरनाक रूप से प्रभावित कर सकता है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विक्रेताओं का अनिवार्य रुप से केवाईसी किया जाना चाहिए। यह केवाईसी पारदर्शिता बढ़ाएगीं और वैध एमएसएमई की रक्षा करेगा एवं कर नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करेगा। अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी दिग्गज ई-कॉमर्स कम्पनियों ने लगातार वित्तीय घाटे की सूचना दी है। उच्च बिक्री मात्रा के बावजूद यह नुकसान इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जहाँ एमएसएमई और पारंपरिक खुदरा विक्रेताओं सहित छोटे प्रतिस्पर्धियों को बाहर करने के लिए उत्पादों को स्थिर दरों पर बेचा जाता है, जिस कारण भारत का छोटा खुदरा व्यापारी बेरोजगार होने के कगार पर है।

ई-कॉमर्स को थोक विक्रेताओं के रूप में कार्य नहीं करना चाहिए, इससे एमएसएमई और छोटे खुदरा विक्रेता को नुकसान होता है, इस तरह की कीमतों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते यह सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप की आवश्यकता है। बड़े प्लेटफॉर्म पर दी जाने वाली कैशबैक और ब्याज मुक्त योजनाएं आसान खेल का मैदान बनती हैं, क्योंकि वह ग्राहकों को आकर्षित करती हैं जबकि छोटे विक्रेता सामान प्रोत्साहन देने का जोखिम नहीं उठा सकते। हम इन योजनाओं पर अंकुश लगाने और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए विनियमन का अनुरोध करते हैं कि ई-कॉमर्स कम्पनी के डिलिवरी कर्मियों को कर्मचारियों के रूप में माना जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें उचित श्रम सुरक्षा और लाभ प्राप्त हो, जिससे लॉजिस्टिक क्षेत्र में श्रमिकों का कल्याण हो।

उपर्युक्त मुद्दों को देखते हुए ई-कॉमर्स कम्पनियों पर तुरंत आवश्यक अंकुश लगाने की आवश्यकता है, ताकि भारत के खुदरा व्यापारी जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीड है और ग्राहक को कोई नुकसान ने पहुँचे तथा भारत की जीडीपी दर लगातार वृद्धि करती रहे। हम इस विश्वास और आशा के साथ शीघ्र कार्रवाई की आशा करते हैं। श्री अशोक कंसल प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री अजय सिंघल नगर अध्यक्ष के नेतृत्त्व में यह ज्ञापन प्रधानमंत्री जी को प्रेषित किया गया। साथ ही सवश्री श्याम सिंह सैनी, राकेश गर्ग, दिनेश बंसल, अशोक छाबड़ा, पंकज शर्मा, अनिल तायल, अमित मित्तल, रामपाल सेन, हिमांशु कौशिक, शोभित गुप्ता, अंजू शर्मा, अजय गुप्ता, प्रमोद अग्रवाल, पवन छाबड़ा, अनीशा भटनागर, अंजू शर्मा आदि उपस्थित रहें।

ब्राजील में अधिक कॉटन उत्पादन का अनुमान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

ब्राजील में वर्ष 2024-25 के दौरान कॉटन के क्षेत्रफल में वृद्धि के साथ ही उत्पादन भी अधिक होने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ब्राजील में कॉटन के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई और उसने निर्यात में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त कर लिया है। ब्राजील की एक एजेंसी स्टोनएक्स के अनुसार वर्ष 2024-25 में वहाँ पर कॉटन का क्षेत्रफल बढ़कर 21.2 लाख हैक्टेयर होने का अनुमान है। इसका कहना है कि 36 वर्ष बाद ब्राजील में कॉटन का क्षेत्रफल 20 लाख हैक्टेयर के पार गया है। इससे पूर्व वर्ष 1988-89 में 20 लाख हैक्टेयर पर कॉटन की बुआई की गई थी। एजेंसी का कहना है कि आलोच्य वर्ष के दौरान ब्राजील में कॉटन का उत्पादन 38.3 लाख टन होने का अनुमान है, जो वर्ष 2023-24 की तुलना में 6.5 प्रतिशत अधिक है। उत्पादन में वृद्धि के साथ ही वहाँ से कॉटन का निर्यात भी अधिक होने की संभावना है। एजेंसी का कहना है कि वर्ष 2024-25 के दौरान वहाँ से 28 लाख टन कॉटन का निर्यात होने का अनुमान है, जबकि इससे पूर्व वर्ष केवल 16 लाख टन ही था।

सतना को मिली विमान सेवा की सौगात

सतना/ बलराम शुक्ला... विगत कुछ वर्षों से सतना के लोग विमान सेवा की मांग कर रहे थे, जो आगामी 5 जनवरी, 2024 को मिलने वाली है। विंध्य की औद्योगिक राजधानी अब सतना भी प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड़ जाएगा। भोपाल समेत चार शहरों में कनेक्ट हो जाएगा। पीएम श्री की पर्यटन वायुसेवा की शुरूआत 6 सीटर विमान 5 जनवरी, 2025 को भोपाल से खजुराहों और फिर सतना एयरपोर्ट पर दोपहर 12: 40 पर लैंड करेगा। यह विमान सप्ताह में दो बार रविवार और बुधवार को सतना आएगा, वहीं यह विमान भोपाल से रविवार सुबह 10: 00 बजे उड़ान भरेगा, 11: 20 पर खजुराहों तथा खजुराहों से 11: 30 पर उड़ान भरकर 12: 40 पर सतना आएगा एवं सतना से 1: 00 बजे सिंगरौली के लिए उड़ान भरेगा, जो दोपहर 1: 50 पर सिंगरौली पहुँचेगा, फिर यहीं विमान सतना, सिंगरौली, खजुराहों से होकर भोपाल 5: 20 पर पहुँचेगा। इस सुविधा के लिए सतनावासियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

ठण्ड से बढ़ी गरम कपड़ों की डिमाण्ड

बरेली /राजीव अरोड़ा... अभी मकर संक्रांति तक चाहे दुकानदार हो या फेरी वाला हर व्यापारी निराश है। आगामी 15 जनवरी बाद वैवाहिक मुहूर्त होने तथा गन्ने की फसल का पैसा आने एवं अप्रैल माह से गेहूँ का पैसा भी आ जाएगा, जिससे मार्केट में किसानों द्वारा खरीदी की जाएगी। फिलहाल, लेडीज सूट्स में गरम सूट की डिमाण्ड बनी हुई है, क्योंकि उत्तर भारत में कड़ाके की ठण्ड पड़ रही है। इसके अलावा लुधियाना के गरम माल की बिक्री भी हल्की चल रही है।

दिसावर मण्डियों में अच्छी ग्राहकी से मार्केट में चहल-पहल

माधवनगर/ सत्यनारायण पलोड़... दिसावर की कपड़ा मण्डियों में अभी अच्छी ग्राहकी देखने को मिल रही है। समर सीजन में हालांकि मलमास चल रहा है, लेकिन गरम आइटमों में अच्छी ग्राहकी देखने को मिल रही है। गरम आइटमों की मांग इस सीजन में अधिक रही है और पेमेंट की आवक भी पिछले दिनों से सुधरी है। दिसावर से मील वालों को पेमेंट बराबर मिल रहा है। आगामी वैवाहिक सीजन शुरू होने से पेमेंट की हालत सुधरने के आसार है। मीलों में सीजन को देखते हुए व्यापारी अगली तैयारी में जुटे हुए है। अभी-भी कपड़े की डिस्पेचिंग बढ़िया हो रही है। महाराष्ट्र में बरसात का खतरा भी मंडरा रहा है। अगर, बरसात हुई तो किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

कपड़ा मार्केट में मंदी की लहर

आकोला/ राजेश सोजतिया... स्थानीय मण्डियों में कपड़ा कारोबार सुस्त हो गया है। इन मण्डियों में न तो व्यापार है और न ही पैसों की आवक बड़ी दिक्कत आ रही है। आगामी जनवरी माह में मकर संक्रांति का त्योहार है। मकर संक्रांति पर महाराष्ट्र में लेन-देन के कारण व्यापार चलता है, इस कारण व्यापार सुधरने की पूरी उम्मीद है। इसके बाद वैवाहिक सीजन शुरू हो जाएगा, जिसमें छुटपुट ग्राहकी चलती रहेगी। अभी गरम माल की सेल जोरों पर है। ब्लेंकेट शॉल, स्वेटर, मफलर, मौजे का व्यापार बढ़िया चल रहा है।

गरम कपड़ों की मांग से ग्रे मार्केट में तेजी

ब्यावर/ अनिल डोसी... अभी मार्केट में धीमी ग्राहकी के चलते सर्दी ने अपनी असर दिखाना शुरू कर दिया है। शॉल, स्वेटर, रजाई, कंबल आदि की मांग बनी हुई है। सिंथेटिक्स ग्रे मार्केट में तेजी बनी हुई है। टेरी रूबिया, रेडीमेड ब्लाउज, वूल प्रिंटेड, इंडो प्रिंटेड, ड्रेस मटीरियल, साड़ियाँ, सलवार सूट्स, शर्टिंग-सूटिंग, गमछा, पोपलीन आदि ग्राहकों की मांग बनी हुई है। शर्टिंग में प्रिंटेड़ व लाइनिंग चैक्स का चलन बढ़ गया है। मलमास के पश्चात मकर संक्रांति और आगे शादी-विवाह का सीजन रेग्युलर चलेगा। पेमेंट की आवक में भी सुधार होगा। कैलेंडर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

स्पिनिंग इकाइयों में...

पेज 24 का शेषांश...

कॉटन यार्न के कच्चे माल ने रूई का मौजूदा रूख स्पिनिंग इकाइयों को भी उलझन में डाल दिया है। एक ओर देश में रूई के भाव घटे हैं, परंतु वैश्विक बाजारों की तुलना में भारत में रूई के भाव अधिक है। इस भाव पर स्पिनिंग मिलों को यार्न बनाकर उसे निर्यात करने में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि यार्न की लागत ऊँची बैठ रही है। डॉलर के सामने भारतीय रूपया घटा है, जिससे निर्यात में इसका लाभ हो सकता है। सूत्रों का कहना है कि स्पिनिंग मिलें स्थानीय बाजार में यार्न की कमजोर मांग और निर्यात अस्थिरता जैसी स्थितियों को देखते हुए ही यार्न उत्पादन कर रही है। कपड़ा उद्योग में मंदी जैसी स्थिति है, जिससे वीवर्स की मांग नहीं बढ़ रही है।

भव्य समारोह में वार्षिक कैलेंडर विमोचन के साथ-साथ भारत मर्चेंट्स चैंबर का 66वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के बीच संपन्न

मुम्बई/ आर बी सिंह

देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई के कालबादेवी स्थित भारत मर्चेंट्स चैंबर के जुगीलाल पोद्दार सभागृह में 1 जनवरी, 2025 को 66वाँ स्थापना दिवस समारोह काफी धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि श्री संजय सक्सेना, आईपीएस अतिरिक्त महानिदेशक महाराष्ट्र पुलिस, माननीय अतिथि श्री कुंदन व्यास मुख्य संपादक जन्मभूमि समूह के अलावा श्री नरसिंग मेंगजी पूर्व विधायक सोलापुर, श्री नंदकिशोर (राम) पाटकर नगर परिषद् अध्यक्ष बदलापुर, श्री के के सिंगला, श्री पंकज दूजोदवाला (उद्योगपति) आदि के साथ-साथ सैंकडों की तादाद में कपड़ों के बड़े-बड़े व्यापारी तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी, चैंबर की कार्यकारिणी समिति तथा ट्रस्टीगण उपस्थित थे।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से शुरू हुआ- इस अवसर पर चैंबर का वार्षिक कैलेंडर और भारत मर्चेंट्स चैंबर की डॉक्यूमेंट्री का लोकार्पण भी हुआ। चैंबर के अध्यक्ष श्री नरेंद्र पोद्दार ने सभी अतिथियों का स्वागत कर कहा कि कपड़ा व्यापारियों के हितार्थी काम करने वाली यह संस्था भारत मर्चेंट्स चैंबर, जिसकी स्थापना 1 जनवरी, 1960 को हुई थी। वह गत 65 वर्षों से निरंतर अपना सफर तथा सेवाएं जारी रखी है। संस्था के बदौलत हजारों कपड़ा व्यापारीजनों की समस्याओं को ऑर्बिट्रेशन के द्वारा सुलझाने के अलावा हम सभी हर साल सैंकड़ों बच्चों को नोटबुक वितरण और जरूरत मंद लोगों के मेडिकल सुविधाओं आदि का लाभ देते आ रहे हैं। इसके कारण हजारों व्यापारीजनों का भारत मर्चेंट चैंबर के क्रियाकलापों पर भरोसा बढ़ता जा रहा है और हम सबकी भी यहीं कोशिश रहती है कि हम सबकी साख बरकरार रहे। सम्माननीय मंत्री श्री अजय सिंघानिया ने समारोह में पधारें सभी अतिथियों एवं व्यापारियों का स्वागत किया। तत्पश्चात उपाध्यक्ष श्री मनोज जालान ने श्री संजय सक्सेना का बहुत शानदार परिचय दिया और सम्माननीय मंत्री श्री नवीन बगड़िया ने श्री कुंदन व्यास का परिचय जोरदार ढंग से देकर सभा में चार-चाँद लगा दिए। अंत में सबका धन्यवाद ज्ञापन पश्चात अल्पाहार के साथ शाम 7 बजे समारोह समापन हुआ।

झाँसी थोक वस्त्र व्यापार मंडल के चुनाव संपन्न

झाँसी

झाँसी थोक वस्त्र व्यापार मंडल का चुनाव पंजागिर मंदिर में मुख्य चुनाव अधिकारी श्री वीरेंद्र जैन, चुनाव अधिकारी श्री दीपेश अग्रवाल, श्री कमलेश मोदी एवं श्री रंजन चतुर्वेदी की देखरेख में संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर श्री अशोक सिंघल 124 मतों से, श्री संजय सेठ महामंत्री 122 मतों से, श्री पंकज अग्रवाल कोषाध्यक्ष ने 78 मतों से विजय प्राप्त की।

इस अवसर पर चुनाव अधिकारी ने विजय प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र देकर विजय होने की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित चुनाव में कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उत्तरप्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय पटवारी, व्यापारी नेता श्री उमेश गुप्ता ने विजय प्रत्याशियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि इस ऐतिहासिक चुनाव में श्री अशोक सिंघल चौथी बार अध्यक्ष एवं श्री संजय सेठ पाँचवीं बार महामंत्री बनकर अपने-आप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। व्यापार मंडल ने हमेशा व्यापारिक समस्याओं का समाधान एवं निदान किया है। इस अवसर पर संरक्षक सर्वश्री ओमप्रकाश कुमार मर, राजेंद्र पहाड़िया, राजेंद्र पटवारी 'राजू', ओम प्रकाश सेठ, महेंद्र मर, बॉबी अग्रवाल, लवलेश अग्रवाल, रामकुमार बरसैया, पंकज अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, मनोज सेन, आलोक मिश्रा, अरुण बरसैया, सौरभ जैन, राजेश हेरवानी, रामशरण सरावगी आदि ने विजय प्रत्याशियों को बधाई देते हुए बाजार में विजय प्रत्याशियों का जुलूस निकालकर अभिनंदन एवं स्वागत किया।

भवदीय
वीरेंद्र जैन
(मुख्य चुनाव अधिकारी)

भारतीय अर्थव्यवस्था के उत्थान में उपयोगी Geo textile

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट

आज के समय सस्टेनेबिलिटी को देख विश्व में स्लो फैशन, रीसायकल फाइबर या किराए पर कपड़े, पुराने कपड़े को नये लुक से पहनने का प्रचलन बढ़ा है, जबकि भारत में फैशन तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। मेरा मानना है कि गारमेंट के पास कपड़ा तो है, मगर वह कपड़ा, बैकडोर (पड़ोसी मुल्कों)से आ रहा है या भारत में डंप हुआ कपड़ा है, जो एक असमंजस की स्थिति बनाए हुए है, जिससे छोटे खिलाड़ी, इस खेल से आउट हो रहे हैं, जबकि बड़े खिलाड़ी उनका अधिग्रहण कर रहे हैं।

भारतीय स्पिनिंग को उपरोक्त परिस्थिति में आज नए ढंग से सोचने पर मजबूर कर दिया है। पहले वह अपनी ताकत पर काम करे, न कि दूसरों पर निर्भर रहें। हमें लोकल फॉर वोकल को आगे बढ़ाना होगा और जहाँ तक हो सके, अपनी निर्भरता के लिए लोकल वेंडर्स को विकसित करना पड़ेगा। आज संपन्न टेक्सटाइल उद्योग ने धागे से रेडीमेड गारमेण्ट का एक जगह बनना या बनाना आरंभ कर दिया है।

आप इसे कैसे देखते हैं... कोरोना महामारी और बदलते पर्यावरण में आज नए दृष्टिकोण के साथ ऑर्गेनिक फाइबर्स के उपयोग के अलावा टेक्निकल टेक्सटाइल की संभावनाएं भी बढ़ी है। एंटी बैक्टीरिया, टॉवेल, रूमाल और चादरों के अलावा मेडिकल में इसके प्रयोग का प्रचलन बढ़ा है। सोच और पहनावे के साथ कपड़ों का कलर बदलना, वातावरण के अनुसार पहने कपड़ों का तापमान बदलना, इससे स्पोर्ट्स और डिफेंस में काफी संभावनाएं बढ़ी है। वहीं सरकार की गाइड लाइन्स में एयर बैगस की वाहनों में डिमाण्ड है। तेज हवा से बचाव के दस्ताने एवं अँधेरे में चमकने वाले कपड़े हो या पीपीई किट्स पॉपुलर है। कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं जैसे ओलावृष्टि या कम पानी में बुवाई में इसकी आवश्कता देखी जा सकती है।

क्या हम इसके लिए तैयार हैं?

Geo textile के कुछ रोचक तथ्य जो निम्न है-

- यह हमारी पृथ्वी को एक अलग आवरण देती है।
- पुरानी सभ्यताओं में भी इसका प्रयोग होता था।
- इसके प्रयोग से मानव जाति को अद्भुत फायदे हैं।
- फ्रांस के इंजीनियर हेनरी ने सबसे पहले इसका प्रयोग किया।
- 1958-60 में इसका प्रयोग पानी के स्टोरेज बांधों में हुआ।
- इसको निम्न प्रकार से प्रयोग कर सकते हैं जैसे नॉन-वोवेन, वोवेन, निट, कम्पोजिट, नेट और मैश इत्यादि।
- वोवेन Geo textile की ताकत ज्यादा होती है, जबकि नॉन-वोवेन Geo textile में फ्लो रेट्स और पर्मीबिलिटी
- इसकी सफलता सिविल इंजीनियर और टेक्सटाइल इंजीनियर के मिलजुलकर आगे बढ़ने से है। सिविल के स्टेण्डर्ड को टेक्सटाइल वालों को जानना चाहिए।
- Geo टेक्नीकल इंजीनियर और टेक्सटाइल इंजीनियर को एक-दूसरे को समझना जरूरी है।
- भारत में इसकी संभावनाएं रेल, सड़क, कृषि, भवन निर्माण, हवाई पट्टी, पहाड़ों को दरकने से रोकने इत्यादि में देखा जा सकता है।

भारत सरकार ने भी टेक्सटाइल मंत्रालय में एक विभाग बनाया है, जो Geo textile पर कार्य करने वालों को लगातार रिसर्च, गुणवत्ता एवं मानक के अनुसार उत्पादन करने वालों को प्रोत्साहित कर रहा है तथा जागरूक होकर और नए बदलावों को भापकर तैयारी करने में ही आज भलाई है, जिससे भारत को विश्व आर्थिक जगत में शीर्ष स्थान पर पहुँचाने का रास्ता बनाने में अपना योगदान दे सकें।

तिरूपुर गारमेण्ट उद्योग द्वारा बांग्लादेश से आयात पर अंकुश का अनुरोध

सरकार घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करे

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

तिरूपुर के गारमेण्ट उद्योग ने केंद्र सरकार से घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा के लिए बांग्लादेश से गारमेण्ट आयात पर अंकुश लगाने की मांग के साथ ही घरेलू फैब्रिक और गारमेण्ट निर्माताओं से अनुरोध किया है कि वे वहाँ से इन वस्तुओं का आयात न करें। उल्लेखनीय है कि व्यापार संधि के तहत बांग्लादेश से फैब्रिक और गारमेण्ट के आयात पर कोई ड्यूटी नहीं लगती है और आयात सस्ता पड़ता है। गत कुछ वर्षों में वहाँ से सस्ते गारमेण्ट का आयात लगातार बढ़ रहा है और घरेलू उद्योग के लिए परेशानी पैदा कर रहा है। विगत दिनों तिरूपुर के विभिन्न गारमेण्ट व फैब्रिक निर्माताओं के संगठनों ने एक बैठक में इस प्रकार के प्रस्ताव पारित किए हैं। इस बैठक में देश भर के फैब्रिक व गारमेण्ट निर्माताओं के संगठनों से अनुरोध किया गया कि अपने-अपने सदस्यों को बांग्लादेश से आयात बंद करने का सुझाव दें।

गारमेण्ट निर्माताओं ने सरकार से अनुरोध किया कि वह घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा के लिए बांग्लादेश से आयात किए जाने वाले फैब्रिक पर काउंटरवेलिंग ड्यूटी या डम्पिंग ड्यूटी लगाए, ताकि बढ़ते आयात पर अंकुश लगाया जा सके। इनका कहना है कि बांग्लादेश में गारमेण्ट व फैब्रिक निर्माताओं को वहाँ की सरकार से अनेक प्रकार की सब्सिडी मिलती है और उनकी उत्पादन लागत कम बैठती है। इसके अतिरिक्त व्यापार संधि के तहत बांग्लादेश से आयात भी ड्यूटी फ्री होता है, इससे वहाँ से आयात काफी सस्ता पड़ता है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि उनका उद्देश्य घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा और समान अवसर प्रदान कराना है। निर्माताओं ने देश के आयातकों, निर्माताओं और व्यापारियों से अनुरोध किया कि जब तक सरकार बांग्लादेश से ड्यूटी फ्री आयात रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाती, तब तक वे वहाँ से स्वेच्छा से आयात रोके। प्रस्ताव में कहा है कि देश के निर्माताओं को बांग्लादेश से फैब्रिक, गारमेण्ट का आयात रोककर आत्मनिर्भर बनना चाहिए।

एथनिक वियर फैब्रिक में उभरता ब्राण्ड RAYASA

मुम्बई/ हमेशा नयी सोच के साथ आगे बढ़ते हुए RAYASA ब्राण्ड आज के फैशन जगत में अपने कदम आगे बढ़ाते जा रहा है। वर्ष 1995 से एथनिक वियर का कार्य करने वाले आर्य सिल्क फैशन के डायरेक्टर श्री मनोज रोलिया एवं श्री भगाराम भाटी ने अपने ब्राण्ड को निरंतर ऊँचाई पर पहुँचायां है।

श्री मनोज रोलिया ने बताया कि हमारे द्वारा एथनिक वियर में बड़े पैमाने पर कार्य किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जैकॉर्ड, एम्ब्रॉयडरी प्रिंट जो आज वैवाहिक सीजन में फैशन पसंद है। हर आयु वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए इण्डो-वैस्टर्न, जोधपुरी, शेरवानी, जैकेटिंग, कुर्ता आदि उपयोग लिया जा रहा है। कम्पनी आगामी वेडिंग सीजन की तैयारी कर चुकी है। एथनिक फैब्रिक में कम्पनी ने लंबी रेंज विकसित की है। वेडिंग परिधानों के लिए कम्पनी ने कोट-पेंट, शेरवानी, जोधपुरी सूट, वेस्ट कोट, इंडो-वैस्टर्न, कुर्ता-पायजामा, जैकेटिंग एवं मेन्स वियर परिधानों के लिए हजारों की संख्या में नए पैटर्न बाजार में उपलब्ध कराए हैं। वहीं कम्पनी ने अपनी एक कैटलॉग भी लॉन्च की है, जिसके अंतर्गत प्रीमियम रेंज पेश की गई है।

कम्पनी द्वारा विरासत के नाम से नया कैटलॉग भी लॉञ्च किया है, जिसमें दामन बॉर्डर के कुर्ते फैब्रिक का कलेक्शन प्रदर्शित किया गया है।

मार्केटिंग नेटवर्क

कम्पनी पिछले 25 सालों से होलसेलर के साथ व्यापार कर रही है एवं बड़ी-बड़ी कॉर्पोरेट मिलों को बड़े पैमाने पर एथनिक वियर फैब्रिक सप्लाई भी कर रही है। कम्पनी द्वारा हाल ही में रिटेल मार्केट में अपना एक ब्राण्ड भी लॉञ्च किया है, जिसके अंतर्गत कम्पनी ऑल इंडिया में एजेंट एवं डीलर्स नियुक्त कर रहीं है। कम्पनी ने हमेशा अपनी क्वालिटी के साथ कभी समझौता नहीं किया है। इसी की बदौलत आज भारत की तमाम मण्ड़ियों में अपने ब्राण्ड को पहुँचने में आगे बढ़ाती जा रही है।

क्वालिटीयुक्त फैब्रिक देना ही मूल उद्देश्य

क्वालिटी एवं गुणवत्ता के दम पर RAYASA ब्राण्ड ने भारत की तमाम मण्ड़ियों में अपनी पहचान कायम की है। उन्होंने बताया कि कम्पनी अपने ब्राण्ड के प्रति हमेशा नए-नए इनोवेशन पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ रही है। कम्पनी के सभी उत्पादों पर अपनी नजर बनाते हुए मार्केट में परफेक्ट देना मूल उद्देश्य है। इसी का परिणाम है कि उनके ब्राण्ड नित ऊँचाइयों पर पहुँचा है। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा वैवाहिक सीजन पर फोकस करते हुए एथनिक वियर की भरपूर रेंज तैयार की है, जिसमें वैल्यू एडिशन एम्ब्रॉयडरी में काफी आइटम बाजार में पेश कर रहे हैं। इन सभी डिजाइनों में अलग-अलग बेस की वर्किंग भी की जा रही है। कम्पनी के पास हमेशा 500 से 800 डिजाइनों का महा कलेक्शन हर समय तैयार रहता है, जिससे बाजार में मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026
RNI Registration No. 71772/98

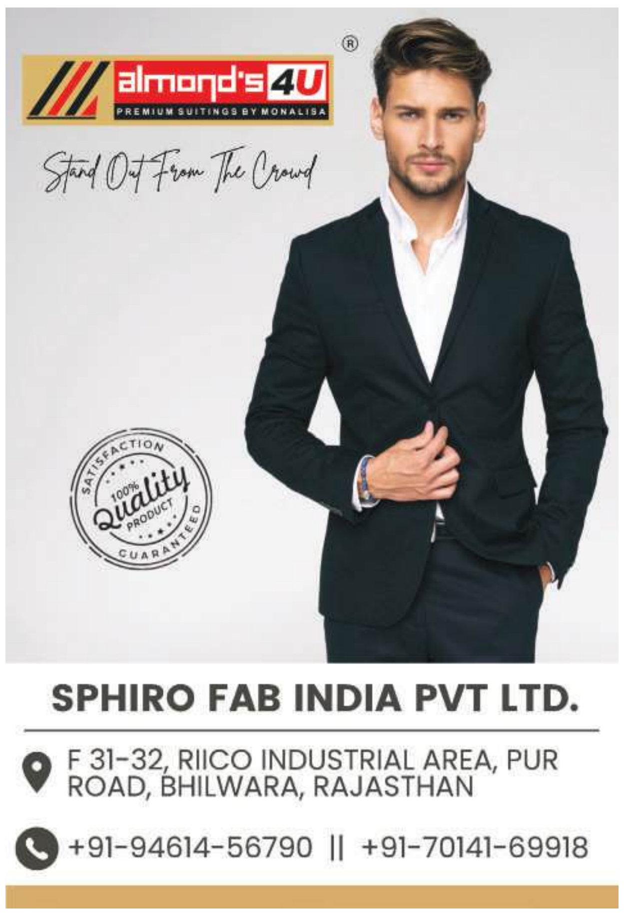

स्पिनिंग इकाइयों में कॉटन यार्न का उत्पादन बढ़ा लेकिन यार्न मार्केट में करंट नहीं

मुम्बई /रमाशंकर पाण्डेय

कॉटन यार्न समेत पीवी और पीसी यार्न के भाव बढ़े हैं, लेकिन यार्न की मांग में कोई वृद्धि नजर नहीं आई। वीविंग इकाइयों में कपड़ों का उत्पादन कम होने से यार्न को बायर्स सपोर्ट नहीं मिल रहा है। यार्न के साथ यदि ग्रे कपड़ों का उठाव अच्छा हो, भले ही भाव में तेजी कम हो, लेकिन अभी यार्न और कपड़ा के बीच विपरीत स्थिति है। रूई के भाव घट रहे हैं, लेकिन कॉटन यार्न के बढ़ रहे हैं, जबकि ठीक इसके विपरीत ग्रे सूती कपड़ों की लेवाली कम हो गई है। ग्राहकी के अभाव में सूती ग्रे कपड़ों के भाव स्थिर हो गए है। इसी तरह पीवी और पीसी यार्न मजबूत हो रहा है, लेकिन इससे तैयार ग्रे कपड़ों के भाव नहीं बढ़ रहे हैं, इसलिए यार्न में करेंट नहीं है। अधिकतर कपड़ा उत्पादन केंद्रों पर यार्न की मांग कमजोर है। वीवर्स यार्न का अधिक स्टॉक खरीदने से बच रहे हैं। एक तो रूई के भाव लगातार घट रहे हैं, जिससे कॉटन यार्न की लागत कम होने की संभावना है।

जानकारों का कहना है कि स्पिनिंग उद्योग लंबे समय के बाद मुनाफा की स्थिति में आया है। रूई के भाव और कॉटन यार्न की उत्पादन लागत के बीच अंतर कम हो गया है। बताया जा रहा है कि यह अंतर घटकर प्रति किलो 10 रू पर आ गया है। रूई के भाव घटने के कारण यह अंतर कम हुआ है। यहीं कारण है कि जिन स्पिनिंग इकाइयों में यार्न का उत्पादन कम हो गया था, उनमें भी अब पूरी क्षमता के साथ यार्न बनाने का कार्य हो रहा है। यह एक सकारात्मक संकेत है।

शेष पेज 8 पर

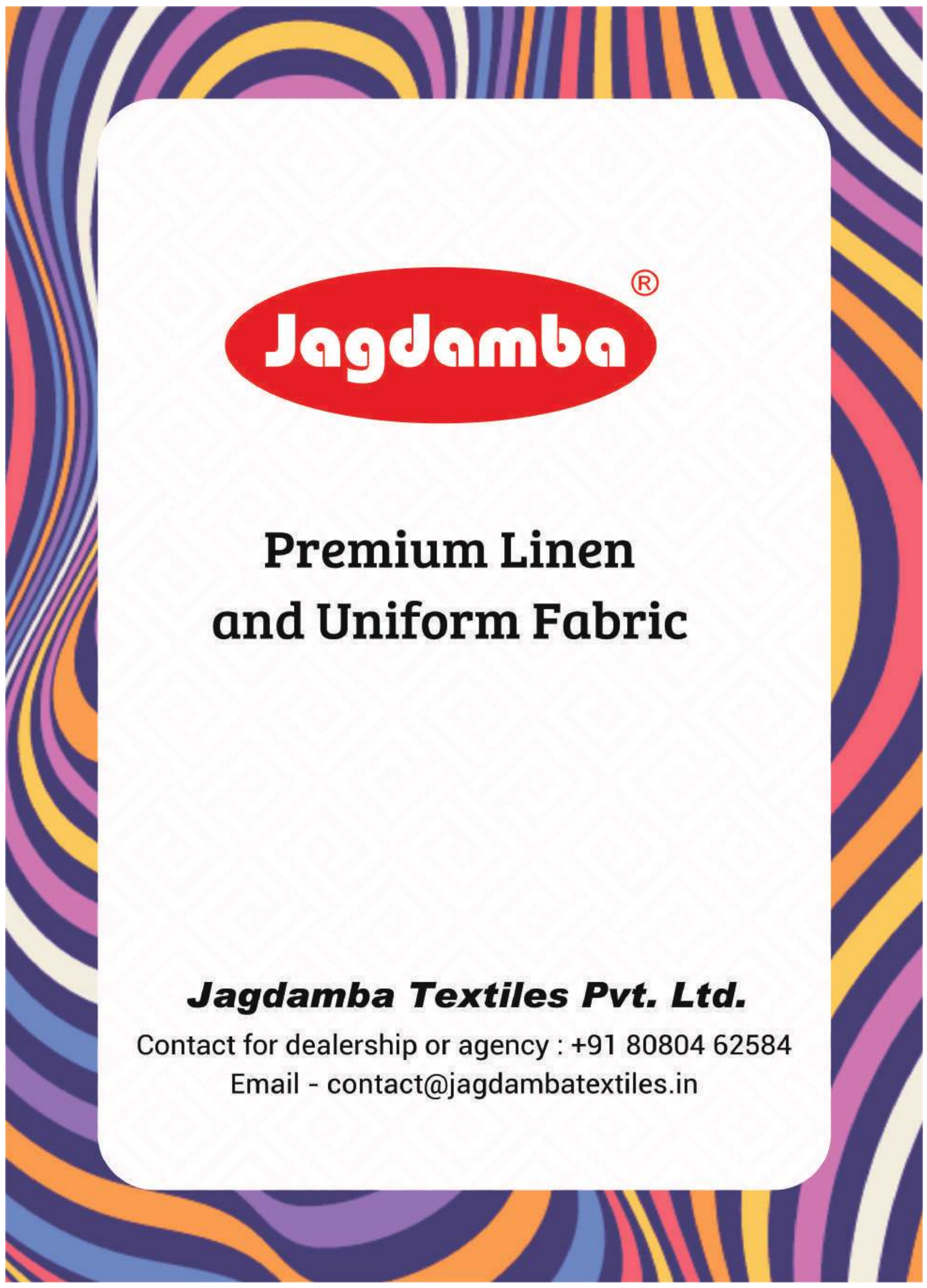

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डीबी प्रिन्ट सोल्यूशन्स (ए यूनिट ऑफ डीबी कॉर्प लि.) बी-27-28, पांसल चौराहा, पुर रोड, भीलवाड़ा (राज.) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**

Happy NEW YEAR 2025
7 से 21 जनवरी, 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate
Follow us
textileworld.tw
Brand Promotion & Textile News

झाँसी एवं गोरखपुर में दर्शन वालजी का भव्य यूनिफॉर्म डिस्प्ले

मुम्बई / यूनिफॉर्म के लिडिंग ब्राण्ड दर्शन वालजी द्वारा इस वर्ष यूनिफॉर्म फैब्रिक की धमाकेदार शुरूआत साउथ की मण्डियों से करके अब अन्य राज्यों में अपने फैब्रिक डिस्प्ले आयोजित कर रही है। कम्पनी द्वारा इसी कड़ी में 17 दिसंबर, 2024 को झाँसी एवं 20 दिसंबर, 2024 को गोरखपुर में भव्य यूनिफॉर्म फैब्रिक डिस्प्ले किया गया। इस भव्य डिस्प्ले को देखकर सभी रिटेलर्स काफी उत्साहित नजर आए।

रिटेलर्स का भरपूर समर्थन मिला : डिस्प्ले देखकर उत्साह की लहर

DARSHAN Valji®

गोरखपुर डिस्प्ले

इस डिस्प्ले का आयोजन 20 दिसंबर, 2024 को गोरखपुर के कोर्टयार्ड ब्रांच मेरियट होटल में कम्पनी के स्थानीय डीलर्स चावसती ट्रेडिंग के तत्वावधान में किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, उत्तरप्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री पुष्पदत्त जैन, कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर कोठारी एवं उपस्थित रिटेलर्स के मध्य फीता काटकर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

चावसती ट्रेडिंग के डायरेक्टर श्री सुशील अग्रवाल एवं श्री प्रसन्न अग्रवाल ने बताया कि इस यूनिफॉर्म फैब्रिक डिस्प्ले में आसपास के 200 प्रतिष्ठित रिटेलर्स ने भाग लेकर वालजी के डवलपमेंट की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि वालजी निरंतर अपने व्यापारियों के लिए डवलपमेंट पेश कर रहा है, जो निरंतर बाजार में हमें देखने को मिल रहा है। वालजी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर कोठारी ने कहा कि कम्पनी के पास 5000 यूनिफॉर्म फैब्रिक का महाकलेक्शन हर समय तैयार रहता है। साथ ही हमेशा नयी डिजाइनों की कैटलॉग बाजार में पेश करने में अग्रणी है।

DARSHAN Valji®

झाँसी डिस्प्ले

यह यूनिफॉर्म फैब्रिक डिस्प्ले 17 दिसंबर, 2024 को होटल हवाना में आयोजित किया गया। इस डिस्प्ले का आयोजन क्वालिटी टेक्सटाइल के तत्वावधान में रहा, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार गौतम (अध्यक्ष जिला पंचायत, झाँसी), विशिष्ट अतिथि श्री संजय पटवारी, श्री उमेश गुप्ता, कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर कोठारी, डायरेक्टर श्री तेजस कोठारी, क्वालिटी टेक्सटाइल के संचालक श्री सतीश सिंघल, श्री प्रफुल्ल सिंघल एवं सिंघल परिवार के सभी सदस्यों के साथ पण्डित मार्तण्ड दत्त शास्त्री और बुन्देलखण्ड के प्रतिष्ठित रिटेलर्स की उपस्थिति में पूजा अर्चना एवं फीता काटकर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर कोठारी ने बताया कि कम्पनी द्वारा कॉर्पोरेट सेक्टर में डवलपमेंट करते हुए वर्क वियर यूनिफॉर्म फैब्रिक का भव्य डिस्प्ले किया गया। साथ ही कम्पनी द्वारा रिटेलर्स की डिमाण्ड को ध्यान में रखते हुए स्टेचैबल सूटिंग एवं फैंसी शर्टिंग की विस्तृत रेंज भी प्रदर्शित की, जिसे सभी रिटेलर्स का जबरदस्त प्रतिसाद मिला।

क्वालिटी टेक्सटाइल के संस्थापक श्री सतीश सिंघल ने वालजी के उत्पादों के बारे में सभी रिटेलर्स को अवगत कराया एवं कहा कि कम्पनी निरंतर यूनिफॉर्म फैब्रिक में डवलपमेंट पेश कर रही है। अंत में श्री सिंघल ने सभी व्यापारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्यमियों और आम नागरिकों ने बड़ी शान के साथ नववर्ष मनाकर खुशी का किया इजहार

बालोतरा/ लालचंद पुनीत

वर्ष -2024 की विदाई और वर्ष -2025 के आगमन के संदर्भ में उद्यमियों और आम नागरिकों ने बड़ी शान के साथ जश्न मनाकर खुशी का इजहार रोचक, उत्साह एवं उमंग के साथ किया है। इस आतिशबाजी के रंग में कड़ाके की पड़ती ठण्ड का बोध भी नगण्य रहा। लोगों ने इसे पर्व की तरह मनाकर संजीदगी का आनंद उठाया। व्यक्तिगत तौर पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान देखा गया। विशेष रूप से मोबाइल पर ऐसे संदेशों की बाढ़-सी आती रही। उत्पादकों के पास ऑफर है, परन्तु रंगाभेजी की उपलब्धता के अभाव में माल की चालानी नहीं हो पा रही है। सर्दी के कारण माल तैयार होने में अत्यधिक विलंब हो रहा है। हर स्टेज पर देरी किसी न किसी कारण से हो ही जाती है। मौसम कितने अवरोधों को उपस्थित करता है, इसका अंदाज आप सहज में लगा सकते हैं कि कभी बादलों के साथ बूंदा-बांदी हो रही है, कभी सूर्य की रोशनी का अभाव दिखता है, तो कभी तेज हवाओं का प्रहार चलता है। इस प्रकार माल तैयार होने की कगार के उपरांत भी अधूरा ही रह जाता है। इन कारणों से माल की चालानी का क्रम धीरे चल रहा है। ग्रे क्लॉथ में तेजी की अभी आशा नहीं है। इतना होने पर भी पोपलीन, पेटीकोट, रूबिया, खादी, साड़ीफॉल आदि के भाव भी पूर्वत यथावत जारी है। वैसे यह सीजन सर्द ऋतु की होने से गरम मालों की ही मांग रहती है, परन्तु इस बार दिसावरी मण्डियों के व्यापारी भी कॉटन माल को लेने के इच्छुक नजर आ रहे हैं, इसी कारण उनके ऑफरों की भरमार है। औद्योगिक क्षेत्रों में तो भले ही माल की हलचल कम दिखाई पड़ती है, मगर ट्रांसपोर्ट नगर में माल की आवाक-जावक में कोई कमी नजर नहीं आती।

उद्यमियों को इस बार सभी दृष्टियों से आने वाली सीजन बहुत ही शानदार लग रही है, इस कारण इनके हौंसले बढ़े हुए हैं। रेयॉन के माल का उठाव तो ठंडा है, परन्तु नाइटी क्लॉथ की लेवाली में भी पोपलीन, पेटीकोट की तरह ही चमक आ गई है। कुछ उत्पादकों ने टेक्निकल टेक्सटाइल उत्पादों के साथ अन्य माल निर्माण को बढ़ावा दिया है, उनके पास काम तो है, परन्तु उत्पादन सीमित है। ऐसा लगता है कि रिफायनरी के कारण लगने वाले उद्योगों के अस्तित्व में आने के बाद यह क्षेत्र नए वर्चस्व के साथ उभरेगा।

आई के टेक्सटाइल के तत्वावधान में यूनिफॉर्म फैब्रिक की भव्य रेंज प्रदर्शित

S. Kumars का हैदराबाद में भव्य फैब्रिक डिस्प्ले सम्पन्न

हैदराबाद / यूनिफॉर्म सेक्टर में 75 वर्षों से सफलता की ऊँचाइयों पर कार्यरत S. Kumars ब्राण्ड द्वारा आक्रामक रणनीति अपनाते हुए हैदराबाद के अपने एक्सक्लूसीव डीलर आई के टेक्सटाइल के तत्वावधान में भव्य फैब्रिक डिस्प्ले का आयोजन 17 दिसंबर, 2024 को पाँच सितारा विवांता होटल, बेगमपेट हैदराबाद में किया गया। जहां कम्पनी के सीईओ श्री सुभाष कटारिया, शर्टिंग डिविजन के हैड श्री मुकेश बचुका, सूटिंग डिविजन साउथ जोन के मैनेजर श्री राजेश पिपाड़ा, स्थानीय डीलर श्री अकरम मोहम्मद , कम्पनी के एजेंट रांका ब्रदर्स के मालिक एवं आसपास की मण्डियों से पधारे लगभग 200 रिटेलर्स की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस दौरान श्री मोहम्मद अकरम ने बताया कि इस भव्य डिस्प्ले में S. Kumars के कॉर्पोरेट, डिफेंस एवं स्कूल यूनिफॉर्म का भव्य डिस्प्ले किया गया, जो सभी रिटेलर्स को काफी पसंद आया। इस दौरान श्री अकरम ने बताया कि S. Kumars 75 वर्षों पुराना ब्राण्ड है और आज भी कम्पनी अपनी पॉलिसी के हिसाब से कार्य करती है। अब कम्पनी रेडीमेड यूनिफॉर्म में कदम रखने जा रही है, बहुत जल्दी आप सभी के सामने गारमेंट यूनिफॉर्म की श्रृंखला हमें मिलना शुरू होगी। कम्पनी निरंतर यूनिफॉर्म फैब्रिक में नई-नई डिजाइनों की कैटलॉग पेश कर रही है, जो इस यूनिफॉर्म सीजन के लिए उपयोगी साबित होगी।

कम्पनी के सीईओ श्री सुभाष कटारिया ने सभी रिटेलर्स का स्वागत करते हुए कहा कि S. Kumars यूनिफॉर्म सेक्टर में काफी पुराना ब्राण्ड है। हम निरंतर डवलपमेंट पेश कर रहे हैं और आज भी वैल्यू फोर मनी की पॉलिसी पर कार्य कर रहे हैं। हाल ही में कम्पनी ने अपने देवास प्लांट पर अत्याधुनिक नई मशीनों का समावेश किया है, जो हमे और भी अच्छे उत्पाद सही समय पर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे।

फैशन शो देखकर रिटेलर्स हुए अभिभूत

इस दौरान S. Kumars के रेडीमेड यूनिफॉर्म की वस्त्र श्रृंखला फैशन शो के माध्यम से प्रदर्शित की गई, जिसे देखकर रिटेलर्स ने इन उत्पादों की जमकर सराहना की।

आगामी सीजन को लेकर कपड़ा कारोबारियों एवं उत्पादकों में जबरदस्त उत्साह

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार में कारोबार घट गया है। ग्राहकी का अभाव और खरमास एवं वैवाहिक सीजन नहीं होने, क्रिसमस वेकेशन के चलते निर्यात पूछताछ नहीं होने से कपड़ा बाजार का रूख मंदा है। अमेरिका एवं यूरोप के निर्यात का कामकाज रूका हुआ है। डॉलर के मुकाबले रूपया कमजोर होने का लाभ निर्यातकों को है, बशर्ते निर्यात में कारोबार अच्छा हो। कॉटन यार्न मजबूत है, परंतु ग्रे कपड़ों के भाव में कोई सुधार नहीं हो रहा है। इसी तरह पीवी और पीसी यार्न भी मजबूत हो गया है, तथापि ग्राहकी का समर्थन नहीं होने से पीवी एवं पीसी ग्रे कपड़ों के भाव स्थिर है और बाजार में कोई करेंट नहीं है। एक ओर कॉटन यार्न समेत पीवी एवं पीसी यार्न सुधर रहे हैं, जबकि ग्रे कपड़ों में कोई सुधार नहीं हो रहा है। यार्न के सुधरने से ग्रे कपड़ों के भाव बढ़ने के बदले स्थिर एवं तटस्थ नजर आ रहे हैं। भिवंडी में ग्रे कपड़ों का उत्पादन 40-45 प्रतिशत से अधिक नहीं है। वीवर्स रूको एवं प्रतीक्षा करने की नीति अपना रहे हैं। ग्रे कपड़ों की लेवाली में उत्साह नहीं होने से वीवर्स ग्रे सूती कपड़ों का उत्पादन बढ़ाकर मोल लेने से बचना चाहते हैं। कुछ वैरायटी में हल्की मांग रमजान की निकली है। कपड़ों का स्टॉक बहुत अधिक नहीं होने से यदि ग्राहकी अच्छी रही तो बाजार सुधर सकता है। खरमास शुरू होने से साउथ की ग्राहकी ठहर-सी गई है। 14 जनवरी को पोंगल वेकेशन पर तमिलनाडु बंद होने से कामकाज नहीं होता है। 22 दिसम्बर, 2024 से 7 जनवरी, 2025 तक क्रिसमस वेकेशन होने से अमेरिका तथा यूरोप के निर्यात कामकाज में रूकावट है। चाइना प्लस वन पॉलिसी और बांग्लादेश की अशांति के कारण भारत में गारमेंट इकाइयों का निर्यात ऑर्डर बढ़ने लगा है। तिरूपुर और नोएड़ा की निर्यात इकाइयों को भरपूर ऑर्डर मिला है। इस कारण गारमेंटरों की निर्यात में इस्तेमाल होते फैब्रिक्स की मांग में तेजी से सुधार हो रहा है। जैसे-जैसे कपड़ों की मांग बढ़ेगी, वैसे-वैसे अभी कमजोर रहा उत्पादन भी जोर पकड़ेगा। वैवाहिक सीजन का एक दौर पूरा हो चुका है। इस दौर में कपड़ों के साथ सभी सबंधित आइटमों में कारोबार अच्छा रहा है। अब सीजन का दूसरा दौर खरमास बीत जाने के बाद जनवरी, 2025 से शुरू होगा। दूसरे दौर में सीजन लंबी अवधि की होने से कपड़ों की मांग अधिक होगी, जबकि पहले से तैयार कपड़ों का अधिक स्टॉक बाजार में कम बचा होने से नये कपड़ों की मांग निकलने की पूरी संभावना है। इचलकरंजी में इसका संकेत भी मिलने लगा है। कपड़ों के भाव में तीन-चार प्रतिशत का सुधार हुआ है। पावरलूमों पर जॉब दरें बढ़नी शुरू हो गई है। रेपियर लूम की प्रति पीक मजदूरी दरें बढ़कर 26 पैसे और एयरजेट लूम की 15 पैसा हो गया है। यद्यपि इस बार समर सीजन की तैयारी शुरू होने में कुछ देरी हुई है, फिर भी समर सीजन को लेकर कपड़ा कारोबारियों एवं उत्पादकों में उत्साह है। जो ग्राहकी है, सिर्फ गारमेंट सेम्पलिंग की है। ग्रे कपड़ों की मांग सुस्त है। लेवाली नहीं होने के कारण भाव नहीं बढ़ रहे हैं, जबकि कॉटन यार्न मजबूत है। कमजोर मांग के कारण भिवंडी और इरोड़ में ग्रे कपड़ों का उत्पादन नहीं बढ़ रहा है, लेकिन मालेगाँव और इचलकरंजी की ओर थोड़ा सुधार होता नजर आ रहा है। ग्रे कपड़ों का उत्पादन कम होने से प्रोसेस्ड कपड़ों की डिलिवरी में देरी होने की चर्चा है। बुरहानपुर हल्की क्वालिटी लॉन्ग क्लॉथ नेहरू बाग का उत्पादन बहुत सीमित मांग के कारण घटता जा रहा है। कपड़ों की बिक्री व उत्पादन को गति स्कूल यूनिफॉर्म सीजन से मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिसके लिए बुकिंग दिसम्बर-जनवरी से शुरू होने की उम्मीद है। शर्टिंग में समर सीजन की बुकिंग शुरू हो जाने और खरमास बीतते ही शादियों की सीजन शुरू होने पर आगे थोक एवं खुदरा कपड़ा बाजार में ग्राहकी बढ़ने की संभावना है। आमतौर पर 16 दिसम्बर, 2024 से 14 जनवरी, 2025 तक खरमास होने से बाजार में ग्राहकी कम रहती है। अभी कुछ ग्रे कपड़ों में रमजान की हल्की ग्राहकी है, वहीं कुछ ग्राहकी गारमेंटरों की ऐसे फैब्रिक्स में है, जिनका उपयोग गारमेंट बनाने में किया जाता है और फिर उसका निर्यात किया जा रहा है।

भारतीय टेक्सटाइल और गारमेण्ट की विश्व कारोबार में हिस्सेदारी 3.9 प्रतिशत

नई दिल्ली / राजेश शर्मा... देश के टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात की अर्थव्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है और कुल निर्यात में वर्ष 2023-24 के दौरान इसका योगदान 8.21 प्रतिशत रहा। प्राप्त सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 के दौरान भारत न केवल विश्व में टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में छठा सबसे बड़ा निर्यातक देश बना अपितु कुल वैश्विक कारोबार में इसकी हिस्सेदारी 3.9 प्रतिशत रहीं। देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट का अधिकांश निर्यात अमेरिका और यूरोपीय समुदाय को किया जाता है। एक अनुमान के अनुसार कुल टेक्सटाइल गारमेण्ट निर्यात का 47 प्रतिशत केवल इन दो देशों को ही किया जाता है। टेक्सटाइल मंत्रालय का कहना है कि देश से निर्यात न केवल वैश्विक मांग, घरेलू खपत और मांग, लॉजिस्टिक आदि पर निर्भर करता है अपितु अनेक भू-राजनीतिक स्थितियों (जैसे लाल सागर संकट, बांग्लादेश संकट आदि) से भी प्रभावित होता है। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में मुख्य रूप से लाल सागर के आसपास भू-राजनीतिक संकटों के कारण आरंभ में निर्यात कम रहा, यहीं कारण है कि जनवरी, फरवरी और मार्च 2024 के दौरान निर्यात पर इसका प्रभाव पड़ा लेकिन बाद में सुधार हुआ। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान देश से टेक्सटाइल और गारमेण्ट का कुल निर्यात पूर्व वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7 प्रतिशत बढ़कर 21,358 मिलियन डॉलर हो गया। गत वर्ष इसी अवधि में यह निर्यात 20,007 मिलियन डॉलर का था।

गारमेण्ट का योगदान

मंत्रालय के अनुसार टेक्सटाइल और गारमेण्ट के कुल निर्यात में गारमेण्ट सेक्टर का योगदान 41 प्रतिशत है तथा वर्ष 2024-25 में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान इनका निर्यात 8,733 मिलियन डॉलर का रहा, जबकि कॉटन टेक्सटाइल निर्यात कि हिस्सेदारी 33 प्रतिशत (7,082 मिलियन डॉलर) और मैन मेड टेक्सटाइल की 15 प्रतिशत (3,105 मिलियन डॉलर) रहीं। टेक्सटाइल मंत्रालय के अनुसार आलोच्य अवधि में केवल ऊन और हैंडलूम आइटमों में क्रमशः 19 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की कमी आई।

कम हुआ आयात

दूसरी ओर वर्ष 2023-24 में टेक्सटाइल और गारमेण्ट का आयात गिरकर 8,846 मिलियन डॉलर रह गया, जो वर्ष 2022-23 के आयात10,48 1 मिलियन डॉलर की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत कम है। यहीं नहीं गिरावट का यह दौर चालू वित्त वर्ष के पहले 7 महीनों यानि अप्रैल-अक्टूबर में जारी रहा और टेक्सटाइल एवं गारमेंट आदि का आयात 5,425 मिलियन डॉलर रहा, जो गत वर्ष की इसी अवधि के आयात 5,464 मिलियन डॉलर की तुलना में एक प्रतिशत कम है। टेक्सटाइल और गारमेण्ट के कुल 5,425 मिलियन डॉलर के आयात में सबसे अधिक 34 प्रतिशत की हिस्सेदारी मैनमेड टेक्सटाइल्स की रही और कुल 1,859 मिलियन डॉलर का आयात किया गया। इसके अतिरिक्त कॉटन के आयात में भी बढ़ोतरी रही, क्योंकि देश में कमी के कारण लंबे रेशे वाली कॉटन का अधिक आयात किया जाना है। वास्तव में देश में इस क्वालिटी की कॉटन का उत्पादन कम है, जबकि मांग अधिक है और इसे आयात से पूरा किया जाता है। इस कॉटन से तैयार टेक्सटाइल और गारमेण्ट की अधिकांश मात्रा को निर्यात किया जाता है।

रमेश शर्टिंग की देहरादून में 10वीं ऑल इंडिया रिटेल कॉन्फ्रेंस उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न

एथनिक वियर में नए ब्राण्ड रंगरीती की भव्य लॉञ्चिंग

देहरादून/ शर्टिंग फैब्रिक में प्रतिष्ठित ब्राण्ड रमेश शर्टिंग द्वारा आगामी ईद एवं वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए 17 से 24 दिसंबर, 2024 को देहरादून के पाँच सितारा सरोवर प्रीमियम होटल में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जहाँ गाड़ोदिया सिंटेक्स के डायरेक्टर श्री रमेश गाड़ोदिया, श्री दिनेश गाड़ोदिया सहित ऑल इंडिया से पधारे सभी प्रतिष्ठित रिटेलर्स के मध्य दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों ने कम्पनी के सभी उत्पादों की जमकर सराहना की तथा आने वाले सीजन को लेकर काफी उत्साहित भी नजर आए।

नए ब्राण्ड रंगरीती की भव्य लॉञ्चिंग

श्री रमेश गाड़ोदिया ने बताया कि कम्पनी द्वारा इस कॉन्फ्रेंस में एथनिक वियर के बढ़ते चलन को ध्यान में रखते हुए कम समय में अपने नए एथनिक वियर ब्राण्ड रंगरीती की भव्य लॉञ्चिंग की। जिसके अंतर्गत कुर्ते की हर प्रकार की रेंज, कॉटन कुर्ते, एम्ब्रॉयडरी, प्रिंट, प्लेन, फैंसी, वेडिंग कलेक्शन में भरपूर रेंज इस कॉन्फ्रेंस में डिस्प्ले की गई। श्री गाड़ोदिया ने बताया कि कम्पनी द्वारा इस नए ब्राण्ड पर फोकस करते हुए अनेक कलर चार्ट एवं रेंज तैयार कर व्यापारियों के समक्ष पेश की गई, जिसे देखकर व्यापारी मंत्रमुग्ध हो गए। व्यापारी इसकी रेंज देखकर काफी उत्साहित नजर आए। कम्पनी सूत्रों से ज्ञात हुआ कि कम्पनी ने इस ब्राण्ड के लिए आक्रामक मार्केटिंग रणनीति अपनाते हुए हर राज्य के डीलर एवं एजेंट नियुक्त करने की योजना पर कार्य कर रही है, ताकि जो व्यापारी केवल एथनिक वियर में कार्य करना चाहता है, वह इस ब्राण्ड से जुड़ सकते हैं।

रमेश शर्टिंग में नई रेंज का डिस्प्ले

श्री गाड़ोदिया ने बताया कि कम्पनी अपने बहुप्रतिष्ठित शर्टिंग ब्राण्ड में निरंतर नए डवलपमेंट पेश कर रही है, जिसका सबसे बड़ा डिस्प्ले इस कॉन्फ्रेंस में देखने को मिला। कम्पनी द्वारा शर्टिंग की विस्तृत रेंज में डिजिटल बेस, प्रिंट, कॉटन कुर्ते की वैरायटियों में अनेक कलर चार्ट का भव्य डिस्प्ले किया गया, जो व्यापारियों को खूब पसंद आया। व्यापारियों ने रमेश शर्टिंग की इन वैरायटियों को देखकर बुकिंग कराने में उत्साहित नजर आए। इसके अलावा कम्पनी द्वारा अपने रेग्युलर शर्टिंग फैब्रिक रेंज प्रिंट, प्लेन, चैक्स, कॉटन, गीजा कॉटन में भी अच्छी बुकिंग प्राप्त हुई।

ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

कंपनी द्वारा इस वर्ष अपनी 10वीं ऑल इंडिया रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जहां कंपनी ने वर्षों से जुड़े अपने सभी व्यापारियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कंपनी के डायरेक्टर श्री रमेश गाडोदिया ने सम्मान समारोह एवं नववर्ष के आगाज पर पधारे अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि कंपनी हमेशा आप सभी व्यापारियों के साथ जुड़ी रहेगी। सभी ने नववर्ष उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

गारमेंट ब्राण्ड मोन्टेरो को मिली सफलता

कम्पनी के डायरेक्टर श्री दिनेश गाड़ोदिया ने बताया कि कम्पनी फैब्रिक के साथ-साथ गारमेंट सेक्टर में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, जिसका डिस्प्ले इस कॉन्फ्रेंस में किया गया। कम्पनी ने अपने गारमेंट ब्राण्ड मोन्टेरो में रेडीमेड शर्ट, डेनिम जींस, कुर्ते, ट्राउजर एवं ब्लेजर की विस्तृत रेंज का भव्य डिस्प्ले किया गया, जिसका सभी व्यापारियों से अच्छा प्रतिसाद मिला। इस दौरान कम्पनी की रेडीमेड ब्लेजर की विस्तृत कलरफुल रेंज व्यापारियों को बहुत पसंद आयी।

सभी वैरायटियों में भरपूर बुकिंग

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी ने आने वाले वैवाहिक सीजन पर फोकस करते हुए कलरफुल आइटम, डिजिटल प्रिंट, एथनिक वियर फैब्रिक में भरपूर बुकिंग मिली। कम्पनी की संपूर्ण मार्केटिंग टीम द्वारा व्यापारियों के सामने पूरे रेंज का विस्तृत चार्ट तैयार कर पेश किया गया, जिससे कम्पनी को हर रेंज में अच्छा समर्थन मिला।

Siyaram's **सियाराम्स का राजस्थान में सबसे बड़ा डिस्प्ले** Siyaram's

राजस्थान के रिटेलर्स संग एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस जयपुर में उत्साह के साथ संपन्न

सूटिंग-शर्टिंग के साथ वेडिंग कलेक्शन में जबरदस्त बुकिंग

तीन नये कैटलॉग लॉन्च : विभिन्न वाइब्रेंट कलर चार्ट देखकर व्यापारी हुए अभिभूत

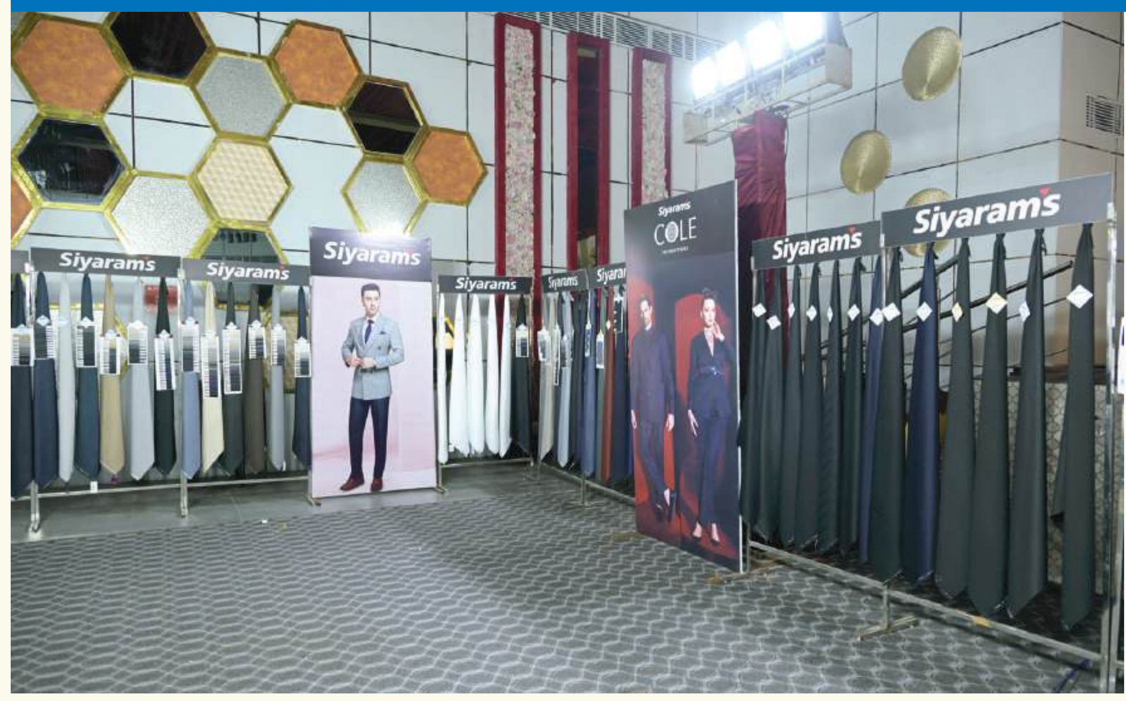

जयपुर/ सियाराम्स द्वारा नववर्ष 2025 की शुरूआत में ही रिटेल कॉन्फ्रेंस का जबरदस्त आगाज करते हुए राजस्थान के रिटेलर्स संग एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस 4 जनवरी, 2025 को जयपुर के वैदा पाणिगृह लग्जरी वेडिंग हॉल में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

इस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत कम्पनी के मार्केटिंग प्रेसीडेंट श्री अशोक तोरका, मार्केटिंग जीएम श्री आनन्द नेमानी, सियाराम गिफ्टिंग जीएम श्री संतोष शर्मा, कम्पनी के एजेंट श्री तपन जैन एवं राजस्थान से पधारे 400 से अधिक रिटेलर्स की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सियाराम्स के मार्केटिंग प्रेसीडेंट श्री अशोक तोरका ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा राजस्थान के व्यापारियों के टेस्ट को ध्यान में रखते हुए बहुत से सूटिंग-शर्टिंग, कुर्ते क्लॉथ, टीआर की वैरायटियों में अनेक डवलपमेंट पेश किए गए, जो सभी व्यापारियों को पसंद आए। इस सभी रेंज में कम्पनी के वाइब्रेट कलर की शृंखला, उनके डिजाइंस, पैटर्न की रिटेलर्स ने जमकर तारीफ की एवं बढ़-चढ़कर बुकिंग भी कराई।

3 नए कैटलॉग लॉञ्च

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी द्वारा तीन नए कैटलॉग लॉञ्च किए गए, जिसमें कॉल कैटलॉग में ब्लैक कलर की विस्तृत फैब्रिक रेंज, दूसरी वाइब्रेंसी कैटलॉग में वाइब्रेट कलर की 50 वैरायटियों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा सियाराम्स गिफ्टिंग की कैटलॉग में 38 नए गिफ्टिंग वैरायटियों को प्रदर्शित किया गया, जो व्यापारियों को खूब पसंद आयी। कम्पनी द्वारा इस बार आगामी वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए वेडिंग कलेक्शन भी पेश किया गया, जिसमें कुर्ते की विभिन्न डिजाइनों में अलग-अलग पैटर्न व्यापारियों को बहुत पसंद आए।

भव्य डिस्प्ले रेंज

कम्पनी के मार्केटिंग जीएम श्री आनन्द नेमानी ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा वेडिंग कलेक्शन में कुर्ते की एथनिक रेंज, सूट्स की रेंज, 4वें लाइक्रा, टीआर, फैन्सी रेंज में अलग-अलग कलर चार्ट पेश किए गये। इसके साथ कम्पनी द्वारा कॉटन, प्लेन, हैवी टीआर, 4वें स्ट्रेच की सात क्वालिटियों में 50 कलर रेंज, इम्पोर्टेड टीआर, लचका फैब्रिक, बूटिक्स की रेंज जो महिलाओं एवं पुरूषों दोनों में उपयोगी साबित हो रही है। इसके अलावा कम्पनी द्वारा शर्टिंग में काफी नये डवलपमेंट पेश करते हुए कुर्ता-पायजामा, इविटा बेम्बू शर्टिंग, शत् प्रतिशत कॉटन की रेंज, प्लेन, चैक्स, प्योर लिनन, डिजिटल प्रिंट आदि रेंज का महा डिस्प्ले पेश किया गया, जिसे देखकर व्यापारी मंत्रमुग्ध होकर बुकिंग कराने पर विवश हो गए।

इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा 4500 से 5000 डिजाइनों का महा कलेक्शन पेश किया गया। कम्पनी ने फैशन को ध्यान में रखते हुए वेडिंग कलेक्शन का डिस्प्ले किया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि यह राजस्थान का पहला सबसे बड़ा डिस्प्ले होगा। सभी रिटेलर्स ने कहा कि पहली बार सियाराम्स ने हमारे टेस्ट का फैब्रिक पेश किया, जिसकी लुक एवं फील बहुत लाजवाब है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में सियाराम्स के एक्सक्लुसीव 33 रिटेल आउटलेट है। हमारी टीम जल्दी ही इसे 50 के टारगेट पर ले जाने को तैयार है। सबसे बड़ी बात आज जितने भी रिटेलर पधारे है, वे सभी 25 से 30 वर्षों से सियाराम के साथ जुड़े हैं। मैं सभी रिटेलर्स का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ कि वे यहाँ पधारे और कम्पनी के उत्पादों की बुकिंग कराई। **श्री तपन जैन (तपन मार्केटिंग, जयपुर)**

35 वर्षों से सियाराम्स ब्राण्ड का कार्य करते है। इसी के चलते आज हमारी दुकान को सियाराम्स के नाम से पहचानते है। कम्पनी ने हमेशा सूटिंग-शर्टिंग एवं गिफ्टिंग में नया डवलपमेंट पेश करती रहती है। ग्राहक आज सियाराम्स के नाम से कपड़ा मांगता है।
श्री राजेश कुमार जैन, मैसर्स नाथुलाल महावीर प्रसाद जैन (रिटेलर) निवाई

सियाराम्स की सबसे खास बात वो हमेशा नया डवलपमेंट पेश करती है। शर्टिंग में प्रिंट, डिजिटल प्रिंट, कलेक्शन बहुत ही सुन्दर है। लॉन क्लॉथ में डिजिटल प्रिंट देखने को नहीं मिलती है। कम्पनी ने हाल ही में गिफ्टिंग आइटमों में अच्छा डवलपमेंट किया है। हमारे यहाँ सियाराम्स की सम्पूर्ण रेंज बिकती है।
श्री विमल गुप्ता, मैसर्स गोयनका सिन्थेटिक्स (डीलर) गंगापुर सिटी

वर्ष 1989 से सियाराम्स के साथ जुड़े है। कस्टमर आज सियाराम्स की मांग करता है, क्योंकि सियाराम्स के हर समय कुछ नया दिया है। कम्पनी की डिजाइन, कलर का कोई मुकाबला नहीं है। कम्पनी ने टीआर, टेरीवूल में अच्छा डवलपमेंट पेश किया है। एक ही ब्राण्ड से सम्पूर्ण कलेक्शन मिलना मतलब कम्पनी आक्रामक तरीके से कार्य कर रही है।
श्री मनीष लाहोटी, मैसर्स श्री राम फैब्रिक्स (रिटेलर) कुचामन सिटी

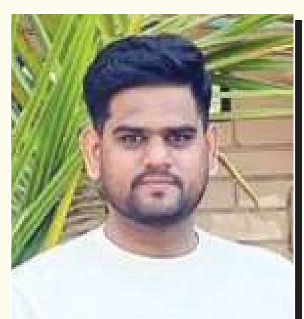

हम सियाराम्स के साथ वर्षों से जुड़े है। कम्पनी के इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में शर्टिंग के अनेक डवलपमेंट किया है। सूटिंग रेंज में कलर कलेक्शन शानदार है। कम्पनी हमेशा हमारे लिए कुछ नया कलेक्शन लेकर आती है।
श्री अंकित जैन, निखिल टेक्सटाइल (रिटेलर) बाड़मेर

सियाराम्स के साथ 60 वर्षों का गहरा रिश्ता है। आज हमारी चौथी पीढ़ी कम्पनी के साथ जुड़ी हुई है। इस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से शर्टिंग का जबरदस्त कलेक्शन पैश किया गया। कम्पनी हमेशा क्वालिटी एवं रिजनेबल रेट्स पर माल उपलब्ध कराने में आगे है।
श्री मनोज कटारिया, मैसर्स आशापुरा कटपीस (रिटेलर) रतनगढ़ (चुरू)

हम 40 वर्षों से सियाराम्स के डीलर है। कम्पनी हर दिन नया डवलपमेंट पेश करती है। हाल ही कम्पनी द्वारा कॉल फैब्रिक, 4वें लाइक्रा एवं टीआर की रेंज लॉञ्च की है, जो बहुत ही खुबसूरत है।
श्री विजय कुमार जैन, मैसर्स विनय ट्रेडिंग कम्पनी (डीलर) जयपुर

सियाराम्स की सबसे बड़ी बात है कि कम्पनी पूरे हिंदुस्तान मे फैब्रिक सप्लाई करने में अग्रणी है। हम 35 वर्षों से जुड़े है। सियाराम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रमेश पोद्दार सभी डीलर्स के साथ परस्पर जुड़े रहते हैं। वे हमेशा हर डीलर की बात सुनकर उस पर अमल करते हैं और आज हम निरंतर आगे बढ़ते जा रहे हैं। क्वालिटियों की बात की जाए तो हमें यहां सब कुछ मिलता है।
श्री अतुल जैन, मैसर्स नेमीचन्द सुल्तान सिंह जैन (डीलर) अलवर

TEXTILE TRANSFORMATION: INDIA'S STRATEGIC WEAVE INTO THE FUTURE

Crafting the Future: India's Bold Strides in Textile Innovation

Delhi/The global spotlight is on India's textile industry, which skilfully weaves centuries-old traditions with cutting-edge innovation. As one of the largest textile producers globally, India is poised to solidify its leadership amidst growing demand for sustainability, high-performance fabrics, and competitive supply chains. With the industry projected to grow to USD 350 billion by 2030 and expected to add 35 million new jobs, India's textile sector is at the forefront of shaping a massive economic and employment expansion.

A DUAL ECONOMIC AND CULTURAL PILLAR

India's textile industry, a cornerstone of the economy, contributes 2.3% to the GDP and employs over 45 million people directly, with an additional 55 million indirectly involved across the value chain.

As the second-largest employment generator after agriculture, it plays a vital role in rural upliftment and women's empowerment. Enhanced by a robust economic framework, cutting-edge technology, international reach, and strong government support, the sector demonstrates vast potential as a global leader.

The diverse range of products—from heritage handwoven fabrics like khadi and silk to mass-produced garments and technical textiles—have solidified the sector's global reputation and driven economic growth.

This variety aligns with the 5F vision, covering the entire spectrum from farm to fibre, fabric, fashion, and foreign markets, and fosters a well-developed supply chain that extends from production to retail, all while preserving the cultural legacy embedded in India's handlooms.

GLOBAL COMPETITIVENESS: BEYOND COST LEADERSHIP

India's ability to produce various textiles at competitive prices continues to attract global brands and retailers. Yet, as fast fashion and consumer preferences evolve rapidly, staying competitive demands more than just cost efficiency. This is why Indian manufacturers are now enhancing their design capabilities, anticipating global trends, and offering versatile products that meet the needs of discerning consumers.

The move into high-value technical textiles, catering to industries such as healthcare, automotive, and agriculture, signifies a crucial shift from traditional outputs. Moreover, recognizing the need to balance fibre reliance, India is reducing its over-dependence on cotton and scaling up synthetic fibre production—a strategic adjustment that has propelled China to a dominant position in global textile exports. This shift is further supported by the launch of the multi-million-dollar National Technical Textiles Mission (NTTM), aimed at upscaling India's global leadership in the technical textile space.

HARNESSING GOVERNMENT SUPPORT

The government has been instrumental in fostering the textile industry's growth. Key initiatives include:

- **PM MITRA Textile Parks:** To create an integrated ecosystem that scales production units for enhanced efficiency and cost-effectiveness
- **Production Linked Incentive (PLI) Scheme:** Encouraging investment in MMF fabrics and apparel, alongside technical textiles, to boost innovation and production capacity
- **National Technical Textiles Mission:** Driving R&D to elevate India's position in global markets
- **SAMARTH (Scheme for Capacity Building in Textile Sector):** Designed to upskill the workforce, enhancing the industry's overall productivity and quality standards through targeted training programs

SUSTAINABILITY: A STRATEGIC IMPERATIVE

As global demand for sustainable sourcing intensifies, Indian manufacturers are leading the way by implementing renewable energy use, ethical labour standards, and waste reduction.

This shift towards sustainable practices not only meets environmental imperatives but also opens strategic avenues for enhancing India's global reputation. The adoption of solar energy and water-efficient processes is now increasingly becoming standard practice within the industry. Moreover, a national-level task force comprising of key stakeholders is methodically charting a pathway towards sustainable products, solidifying India's position as a leader in global sustainability efforts.

BRIDGING THE SKILL GAP

The industry's reliance on a vast workforce represents both a strength and a vital opportunity. Traditional skills such as weaving and dyeing continue to be invaluable, while the adoption of automation, CAD, and advanced manufacturing technologies is driving an increasing demand for technical expertise.

Skill development initiatives, especially in rural areas, are essential to building an inclusive and future-ready workforce. Furthermore, tailored training programs targeting women and underrepresented groups enhance gender diversity and inclusivity, fostering a more equitable industry landscape globally.

DRIVING GLOBAL TEXTILE INNOVATION: INDIA'S STRATEGIC ADVANCEMENTS IN THE TEXTILE SECTOR

India's textile industry stands at the forefront of global innovation, setting new standards in the textile market through strategic growth and technological advancements. The adoption of man-made fibres (MMF) diversifies India's raw material base and aligns with crucial global trends, enhancing both stability and adaptability in the market.

Significant technological investments have boosted India's manufacturing capabilities, establishing it as a formidable competitor against key regional players like Bangladesh and Vietnam. These improvements not only enhance operational efficiencies but also elevate the quality of outputs, reinforcing India's reputation as a reliable partner in the international textile arena.

A commitment to sustainable practices distinguishes India's textile industry, appealing to a global network of partners and buyers who prioritize environmental responsibility alongside quality and innovation.

The Road Ahead: Charting the Future of Innovation and Collaboration

India's textile industry is poised for continued leadership on the global stage, with a focus on:

- Research and Development (R&D): Innovating sustainable, energy-efficient textiles to set global standards.
- Technological Modernization: Elevating efficiency and precision through advanced automation and digitalization.
- Strategic Partnerships: Enhancing innovation and skill development through government, industry, and academia collaborations.
- Sustainability and Circularity: Enhancing resource efficiency, water use efficiency and energy efficiency through investments, technology and capacity building; setting up a national level teak force for a clear decarbonisation agenda

These initiatives highlight the industry's proactive strategy to leverage challenges as opportunities for global market leadership.

BHARAT TEX 2025: HARNESSING GLOBAL OPPORTUNITIES AS A CATALYST FOR CHANGE

Bharat Tex 2025, India's largest textile event, showcases India's extensive capabilities within the textile sector. This event offers key stakeholders the opportunity to engage with and experience the cutting-edge innovations India contributes to the global stage, highlighting the country's pivotal role in shaping the future of global textiles. This catalytic initiative in the transformative journey of India's textile industry, is poised to thrust the sector into a new era of global prominence and innovation.

Scheduled for February 12-17, 2025, this pivotal event, hosted m in New Delhi, is set to amplify India's textile prowess on a global scale.

A CONVERGENCE OF GLOBAL LEADERS AND INNOVATORS

Spanning an expansive 2.2 million square feet of exhibition space, Bharat Tex will host over 5,000 exhibitors and feature over 20,000 exhibits, attracting 6,000 international buyers and 12,000 domestic business visitors from 110 countries.

Supported by major global and national brands such as Aditya Birla, Reliance Industries, Trident Group, and Welspun, the event underscores the substantial industry support and collaboration. Additional key participants include Mafatlal Industries Ltd, EM Crafts, and Supreme Nonwoven Industries Private Limited, highlighting the diverse industry involvement.

DYNAMIC PLATFORMS FOR INNOVATION AND DIALOGUE

Bharat Tex 2025 will showcase various specialized pavilions, including:

- **Sustainability Pavilion:** Highlighting the industry's dedication to eco-friendly practices.
- **Start-Up Innovation Pavilion:** Showcasing cutting-edge solutions from emerging businesses.
- **Craft Museum – Indi bhaat:** A B2C platform that celebrates the intricate tapestry of traditional arts and weaves.

These pavilions are complemented by significant events such as the International Silk Conference, Better Cotton Annual Meet, and the Innovation Hackathon, promoting an environment ripe for networking, collaboration, and growth.

DRIVING SUSTAINABILITY: INNOVATION MEETS RESPONSIBILITY

As the textile industry embraces a pivotal shift towards eco-conscious practices, Bharat Tex 2025 becomes a vital platform for advancing sustainability. Supported by the Ministry of Textiles and organized by 11 Export Promotion Councils, the event showcases collaborative efforts to reduce environmental impact and foster ethical standards.

Key themes include:

- **Eco-Friendly Innovations:** From water-efficient dyeing techniques to organic cotton farming, the event emphasizes practices that reduce the industry's carbon footprint and resource consumption.
- **Circular Economy:** Discussions and initiatives focus on recycling, upcycling, and closed-loop manufacturing, underscoring a commitment to minimizing textile waste.
- **Ethical Sourcing:** Promoting fair wages, safe working conditions, and transparent supply chains, the event drives awareness around responsible sourcing and consumption.

Major sessions such as Future of Textiles: ESG & Sustainability and Accelerating Circularity in Indian Textiles delve into strategies for sustainable growth, while hands-on masterclasses tackle challenges like waste management and waterless dyeing.

Global leaders including the Better Cotton Initiative, UNEP, Laudes Foundation, and corporates like Aditya Birla Group and Arvind align their expertise to highlight scalable solutions, making sustainability not just a vision but a tangible reality for the textile industry.

KNOWLEDGE SHARING AND INDUSTRY INSIGHTS

The event will also host 70 knowledge sessions facilitated by esteemed partners like KPMG, Gherzi, and the National Institute of Fashion Technology (NIFT), offering insights into sustainability, trade, investment, and technological advancements. These sessions are designed to equip attendees with the knowledge to navigate and succeed in the evolving global market landscape.

ENGAGEMENT WITH GLOBAL AND GOVERNMENT ENTITIES

Bharat Tex is also supported by an impressive roster of associate partners, including UN agencies such as UNEP, UNDP, UNESCO, and UNIDO, alongside government entities like the national think tank Niti Aayog and other departments such as industries and commerce. These partnerships enhance the event's capacity for global dialogue and policy alignment within the textile sector.

Through its comprehensive agenda, Bharat Tex 2025 promises not only to showcase India's vast capabilities across the textile industry but also to set new benchmarks in innovation, sustainability, and global trade relationships. This monumental event is a clarion call to all stakeholders in the textile ecosystem to engage, innovate, and contribute to a future that is both sustainable and prosperous.

Lead the Change in the World of Textile at Bharat Tex 2025—Register Now at www.bharat-tex.com!

गारमेण्ट पर जीएसटी की दरों में प्रस्तावित वृद्धि पर दोबारा विचार का अनुरोध

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

एपी चैम्बर्स ने वित्त मंत्री सुश्री निर्मला सीतारमण से गारमेण्ट पर जीएसटी की प्रस्तावित दरों पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी पर गठित एक कमेटी ने 1,500 रूपए से 10,000 रूपए के रेडीमेड गारमेण्ट पर जीएसटी की दर को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत और 10,000 रूपए से अधिक मूल्य पर जीएसटी की दर 28 प्रतिशत करने की सिफारिश की है। एपी चैम्बर्स का कहना है कि जीएसटी की दरों में प्रस्तावित वृद्धि आंध्रप्रदेश की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करेगीं, जबकि टेक्सटाइल और गारमेण्ट उद्योग से राज्य में सबसे अधिक रोजगार मिल रहा है और राजस्व में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चैम्बर्स विश्व बाजार में अनिश्चितताओं और घरेलू उपभोक्ता द्वारा कम खर्च करने से टेक्सटाइल और गारमेण्ट उद्योग पहले ही एक कठिन दौर से गुजर रहा है। यदि जीएसटी की दरों में वृद्धि की जाती है तो गारमेण्ट उद्योग बंद होने से बेरोजगारी बढ़ेगी। चैम्बर्स ने वित्त मंत्री से अनुरोध किया है कि वह राज्य की अर्थव्यवस्था में इस सेक्टर के योगदान को देखते हुए जीएसटी की दरों में वृद्धि न करें।

फैशन एक्सपो में हुई अच्छी बुकिंग

कोलकाता/ रतन लाल पंडित

कोलकाता के बिस्वा बांग्ला कंवेशन सेंटर में 17-18 दिसंबर, 2024 को फैशन एक्सपो का आयोजन किया किया, जिसमें कोलकाता और बैंगलुरू से करीब 40 सप्लायर्स ने साड़ी का डिस्प्ले कर आगामी लग्न-सावा के हिसाब से अच्छी बुकिंग कराई। कोलकाता फैशन एक्सपो में तकरीबन 700 व्यापारियों ने शिरकत की। इस फैश्न एक्स्पो के मुख्य संचालक श्री मनोज पोद्दार (टेक्सटाइल एजेंट), श्री संजय चौपड़ा, श्री विकास अग्रवाल एवं श्री कमल पुगलिया इत्यादि रहें।

गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर सोसायटी भीलवाड़ा की वार्षिक आमसभा आयोजित

भीलवाड़ा/शिव कुमार कौशिक

6 जनवरी 2025 को गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर सोसायटी, भीलवाड़ा की मीटिंग नंदिनी रिसॉर्ट में आयोजित की गई है। नए साल के उपलक्ष्य में आयोजित इस वार्षिक आमसभा में आने वाले वर्षों में गारमेण्ट संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें मैन्युफेक्चररिंग संबंधित जो समस्याएं आ रही है, उनके निराकरण के लिए आपसी विचार-विमर्श हुए।

साथ ही इस एसोसिएशन को भीलवाड़ा जिला स्तर पर घोषित करने का निर्णय किया गया, इससे 50 इकाई प्रमुखों की सर्व सहमति से **जिलाध्यक्ष पद पर श्री प्रकाश शर्मा (श्री विनायका फैशन), जिला सचिव पद पर श्री गणेश मालू (कानू फैशन वर्ल्ड), जिला उपाध्यक्ष पद पर श्री विनीत बंसल (मीनाक्षी टेक्सटाइल) एवं श्री सुनिल मेहता (सुपर फाइन सिंथेटिक्स) को जिला कोषाध्यक्ष पद पर नवीन दायित्व सौंपे गए।** इस अवसर पर संरक्षक श्री विजय अग्रवाल द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया एवं श्री दिनेश गगरानी, श्री अखिलेश झंवर, श्री दिनेश खाब्या, श्री रामप्रकाश जागेटिया, श्री संतोष शारदा, श्री मनोहर लाल टेलर, श्री दिनेश सुवालका, श्री गौरव चमोड़ी, श्री सुरेश धाकड़, श्री विशाल बाहेती, श्री विवेकानंद पाण्डे, श्री रवि शर्मा, श्री मुरली तिवाड़ी, श्री सुनील जोशी, श्री नरेंद्र कोड़वानी, श्री अनुप सांगरिया, श्री बुधराज कुमावत, श्री देवाराम, श्री मोतीलाल गुर्जर, श्री राजकुमार झंवर, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री कालूराम सेन आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के भीलवाड़ा इकाई अध्यक्ष श्री शंभुप्रसाद काबरा उपस्थित थे।

रूई के भाव बढ़ने के बदले दबाव में : सीसीआई की खरीदी बढ़ी

मुम्बई / रमाशंकर पाण्डेय

कपास की आवक बढ़ने से जिनिंग इकाइयों में काम हो रहा है, तथापि किसानों को कपास बेचने के लिए कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह रूई का भाव कम है, कारण कि स्पिनिंग इकाइयों की रूई में खरीदी अपेक्षा से कम हो रही है। जहां उम्मीद की जा रही थी कि चालू सीजन में रूई के भाव अधिक हो सकते हैं, कारण कि देश में रूई का उत्पादन घटने का अनुमान है, परंतु भाव बढ़ने के बदले निरंतर दबाव में है। कहा जा रहा है कि विदेशी बाजारों में रूई के भाव कम होने के कारण निर्यात की संभावना कम लग रही है। अमेरिका, ब्राजील और आस्ट्रेलिया की तुलना भारत में रूई के भाव अधिक है, इसलिए मिलों ने रूई का आयात बढ़ाया है। कपास एवं रूई की यह सीजन बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। दशक का सबसे कम उत्पादन होने का अनुमान इस सीजन में लगाया गया है, बावजूद रूई का भाव घटकर प्रति खंडी 53500 रू. के नीचले स्तर पर पहुँच गया है। रोज की आवक दो लाख गांठ से अधिक है। दिसम्बर अंत तक 120 लाख गांठ की आवक हुई है और अधिक से अधिक खरीदी सीसीआई द्वारा की जा रही है। किसान भी सीसीआई को अपना स्टॉक बेचना चाहते हैं, क्योंकि जीनर्स कम भाव ऑफर कर रहे हैं। स्पिनिंग मिलें वैश्विक बाजार से सस्ता रूई आयात कर रही हैं। अनुमान है कि अब तक पिछली सीजन के आयात की तुलना में इस सीजन में भारी उछाल आया है। गौरतलब है कि यदि पैदावार कम है तो भाव बढ़ते हैं, लेकिन कपास के मामले में ऐसा नहीं है। देश का कोई राज्य नहीं है, जहां कपास और रूई के भाव दबाव में नहीं है। जब तक किसानों को भाव मिल रहा था, तब तक सीसीआई केंद्रो पर नहीं जा रहे थे, लेकिन जैसे ही भाव टूटने लगे और लेवाल कम हुए केंद्रों पर भीड़ बढ़ने लगी। एक महीने में पूरी स्थिति बदल गई तथा कपास के भाव एमएसपी से कम हो गए। केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम भाव मिलने से किसान सीसीआई केंद्रो पर अधिक संख्या में आ रहे हैं। सीसीआई सूत्रों का कहना है कि चालू वर्ष में अच्छी खरीदी की गई है। अनुमान है कि अब तक देश में 52 लाख गांठ की खरीदी सीसीआई ने की है। मार्केटिंग वर्ष 2024-25 में देश में रूई का उत्पादन अनुमान 300 लाख गांठ या कुछ कम ज्यादा हो सकता है। यह देश में रूई का पिछले दस वर्षो का सबसे कम उत्पादन अनुमान है। केंद्र ने मध्यम किस्म के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 7121 रू. और लंबे रेशे की अच्छी वैरायटी के लिए प्रति क्विंटल 7521 रू. घोषित की है। यह न्यूनतम समर्थन मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है, परंतु किसानों को यह भाव नहीं मिला, इसलिए सीसीआई को खरीदी करने के लिए उतरना पड़ा है। महत्त्वपूर्ण यह है कि सीसीआई को कपास की खरीदी तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और गुजरात राज्यों में करनी पड़ी है। सबसे अधिक गुजरात में 88 506 गांठ की खरीदी की गई है।

www.sparshfab.com

Hello Kolkata!

Sparsh-Fab UNIFORM FABRIC
THOUGHTFUL UNIFORMS
& **R.K. Enterprises,** Kolkata (Authorised Dealer)

स्पर्श-फैब का आर.के. एंटरप्राइजेज के तत्वाधान में यूनिफॉर्म फैब्रिक डिस्प्ले

A Grand Success

स्पर्श फैब और आर.के. एंटरप्राइजेज ने 3X कूल तकनीक के साथ यूनिफॉर्म फैब्रिक में क्रांति ला दी स्पर्श फैब और आर.के. एंटरप्राइज ने रिटेल व्यापारियों, स्कूल के गणमान्य व्यक्तियों और उद्योग के नेताओं की उपस्थिति में एक विशेष कार्यक्रम में अभिनव यूनिफॉर्म फैब्रिक्स का डिस्प्ले करके एक उपलब्धि हासिल की। मुख्य आकर्षण 3X कूल फैब्रिक था, जिसे भारत की उष्णकटिबंधीय जलवायु के अनुकूल बनाया गया है। **श्री विनोद अग्रवाल** (शिक्षायतन स्कूल) और **श्री संजय अग्रवाल** (हेरिटेज स्कूल) जैसे गणमान्य व्यक्तियों ने कपड़े की अनूठी विशेषताओं का अनुभव किया 10 सेकंड से कम समय में जल्दी सूखना, पारंपरिक कपड़ों की तुलना में तीन गुना अधिक सांस लेने की क्षमता और आसान रखरखाव वाली मिट्टी-मुक्ति गुण। ये नवाचार बेहतर आराम, स्थायित्व और कम रखरखाव सुनिश्चित करते हैं, जो स्कूल यूनिफॉर्म की गुणवत्ता में एक नया मानक स्थापित करते हैं।

◄ उद्घाटन - मुख्य अतिथि श्री विनोद अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि श्री संजय अग्रवाल द्वारा किया गया।

Sparsh-fab VISION-25
Exclusive Fabric Display

Thursday, 19th Dec.
10:00 AM to 6:30 PM
At Rosewood Banquats, Park Hotel, Kolkata

3X COOL™
INNOVATIVE FABRIC

DYNAMIC DRYING
Clothes gets dried so fast just like a magic

SOIL RELEASE
Active soil release technology keeps cloth look fresh & clean

3 TIMES AIR PERMEABLE
The fabric is breathable, providing enhanced airy comfort.

Fabric that absorbs sweat in just 10 seconds

उपस्थित व्यापारियों ने नये डवलपमेंट 3X COOL फैब्रिक के लॉन्च को देखा, जो भारत में यूनिफॉर्म फैब्रिक बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है!

श्री विकास तोदी, निदेशक, स्पर्श-फैब
गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साझा की कपड़े में मानक, उस पर जोर देते हुए "कपड़ा यूनिफॉर्म की जान है"

श्री विकास तोदी ने विज़न 2025 प्रस्तुत किया, जो नवाचार, सहयोग और ग्राहक फ़ोकस के माध्यम से यूनिफ़ॉर्म फ़ैब्रिक उद्योग का नेतृत्व करने की आक्रामक योजना है। विजन 2025 भी के लिए सतत विकास और सफलता का वादा करता है।

आर.के. एंटरप्राइजेज के श्री श्रेयांश लूनिया, ने आभार व्यक्त किया और स्पर्श-फैब **विजन-2025** के बारे में अपने विचार साझा किए।

उन्होंने बताया की भारत में यूनिफार्म फैब्रिक की 25 करोड़ मीटर वार्षिक मांग पर जोर दिया और रिटेलर्स के साथ तुरंत आग्रह किया, **"अब नहीं तो कब?"** उन्होंने स्पर्श-फैब की प्रीमियम रेंज का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री विनोद अग्रवाल (शिक्षायतन स्कूल) ने **3X COOL** इनोवेटिव फैब्रिक, 10 सेकंड से भी कम समय में सूखने की इसकी क्षमता, तीन गुना हवादार डिज़ाइन और इसकी आसान देखभाल वाली मिट्टी-मुक्ति सुविधाओं की सराहना की

उन्होंने नये **3X COOL** फैब्रिक की प्रशंसा की और भारतीय जलवायु के लिए तैयार इसकी असाधारण विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस तरह की प्रगति न केवल स्कूल यूनिफॉर्म की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाती है, बल्कि छात्रों के दैनिक अनुभवों को भी बेहतर बनाती है, जिससे यह फैब्रिक शिक्षा क्षेत्र के लिए एक गेम-चेंजर बन जाता है।

श्री गौतम झुनझुनवाला ने आगंतुकों का स्वागत किया और यूनिफॉर्म फैब्रिक उद्योग के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की

उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक की बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला और बदलते बाजार के रुझान के अनुकूल होने के महत्व पर जोर दिया। उनके संबोधन ने उद्योग के विकास के लिए एक सहयोगात्मक और दूरदर्शी दृष्टिकोण की दिशा तय की।

स्पर्श-फैब ने रिटेलर्स को नये कैटलॉग ऑफर के साथ सशक्त बनाया

इस कार्यक्रम में स्पर्श फेब द्वारा अपने नये केटलोग व्यापारियों के लिए ऑफर किये थे, जिन्हें रिटेलर्स के लिए प्रभावी व्यावसायिक उपकरण के रूप में डिज़ाइन किया गया था। प्रीमियम फ़ैब्रिक रेंज को प्रदर्शित करते हुए, ये कैटलॉग को ग्राहकों के लिए उत्पादों को बेहतर ढंग से पेश करने, बिक्री बढ़ाने और सही निर्णय लेने में मदद करते हैं। अपने भागीदारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध, स्पर्श-फैब रिटेलर्स को अपनी बाज़ार में उपस्थिति को मजबूत करने और स्कूलों और संस्थानों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ने के लिए सुसज्जित करता है।

SUPERSAVER OFFER
UP TO 70% OFF
PROVIDING A UNIQUE EDGE FOR RETAILERS

स्पर्श-फैब और आर.के. एंटरप्राइजेज नवाचार, दूरदर्शिता और टीमवर्क के साथ यूनिफॉर्म फैब्रिक उद्योग में क्रांति लाना

स्पर्श फैब, आर. के. एंटरप्राइजेज और हिंद माता टेक्सटाइल्स की टीमों ने मुख्य अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया

एक टीम के रूप में चुनौतियों पर विजय पाने के लिए अंतराल और अवसरों को समझने के लिए चैनल भागीदारों के बीच गहन बातचीत हुई।

कार्यक्रम के समापन पर स्पर्श-फैब और आर.के. एंटरप्राइजेज ने अपने 35 सदस्यों की मजबूत टीम की कड़ी मेहनत को सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजन, आगंतुकों को आकर्षित करने और एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने में उनका समर्पण इसकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण था। इस सम्मान ने टीम वर्क के महत्व और उद्योग के विकास को आगे बढ़ाने में साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

आगंतुकों को विशेषज्ञों और नेताओं से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई

पूर्वी क्षेत्र के खुदरा विक्रेताओं ने स्पर्श-फैब की विशेष और व्यापक रेंज का अनुभव किया।

Challenges in the Textile Industry: Everchanging Weather Patterns and Uncertainty

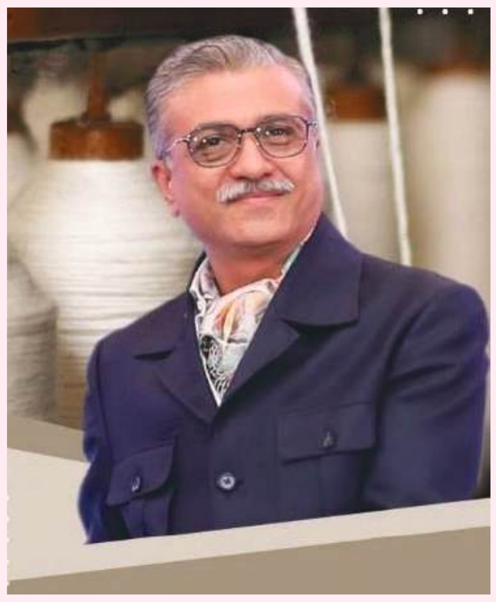

The textile industry in India has long thrived on its deep connection with seasons and festivals, which traditionally dictated buying patterns and ensured a structured flow of demand. However, everchanging and unpredictable weather conditions, driven by global warming, have disrupted these patterns, creating significant uncertainty for traders, manufacturers, and retailers alike.

Festivals and Seasons: A Disrupted Harmony

India's vibrant festival calendar has always been a key driver of textile sales. Diwali, Eid, and wedding seasons, among others, bring predictable spikes in demand. However, while festivals remain on schedule, the seasons surrounding them have become increasingly erratic. Delayed winters and prolonged summers have disrupted the traditional alignment between seasonal transitions and festive buying.

For example, retailers often find themselves with unsold stocks of winter wear due to delayed cold weather or extended summers. Similarly, rainwear sales suffer when monsoons arrive late or are weaker than anticipated. These shifts make it nearly impossible to plan bulk purchases for the season, as the risk of being stuck with unsold inventory looms large.

Extreme Weather's Uneven Impact

The dual threats of floods and droughts across various parts of India have compounded the challenges. Every year, some regions face devastating floods, while others grapple with severe droughts. Both scenarios directly impact consumer spending on textiles.

Flood-affected areas see a decline in discretionary spending as consumers prioritize essentials over apparel. In drought-hit regions, reduced agricultural incomes lead to lower purchasing power, particularly in rural markets that form a significant portion of the textile trade. These localized disruptions create ripple effects, forcing the industry to manage uneven demand and unpredictable sales figures.

Global Warming's Role in Changing Cycles

Global warming has also disrupted agricultural cycles, pushing monsoons and harvests by weeks. This delay directly affects rural incomes, which are critical to the textile industry's performance during festive seasons. Farmers with delayed or reduced harvests tend to postpone or cut back on purchases, affecting pre-planned sales targets.

Moreover, fluctuating crop yields and prices further destabilize rural spending patterns. With agriculture forming the backbone of India's economy, such disruptions inevitably reflect on the buying patterns for textiles, making it increasingly difficult for traders to rely on past trends.

The Heat's Growing Impact

India's rising summer temperatures and prolonged heatwaves have significantly altered consumer preferences. The demand for lightweight, breathable fabrics is on the rise, but it comes at the cost of declining interest in heavier, season-specific materials. This shift creates a challenging dynamic for manufacturers and traders, who must now balance a diverse range of products to meet changing consumer demands.

Indecisiveness in Trade

The unpredictability of weather has also fostered indecisiveness among traders. The once-structured buying cycles have given way to a fragmented and cautious approach. Many traders now hesitate to commit to large-scale purchases, fearing unsold stocks and reduced profit margins. This indecision, while understandable, adds another layer of complexity to an already challenging business environment.

Inventory Risks and the Need for Strategic Buying

Given these uncertainties, the traditional practice of bulk buying for an entire season is no longer viable. Traders are increasingly wary of being stuck with unsold inventory, which can lead to significant financial losses. Instead, the focus has shifted toward planning purchases closer to the season and aligning them with real-time demand.

This shift in approach has led the industry to explore modern textile buying platforms like TextilesBazaar.com, which offer flexibility, real-time data, and a broader network of buyers and sellers. By leveraging such platforms, traders can mitigate risks, adapt to changing market dynamics, and maintain a leaner inventory.

The Way Forward: Embracing Technology and Adaptability

In a landscape defined by erratic weather and shifting consumer preferences, the textile industry must embrace technology and data-driven decision-making. Platforms like TextilesBazaar.com provide a much-needed solution by offering access to real-time market insights, enabling traders to make informed decisions and reduce risks.

Such platforms also help bridge the gap between manufacturers and retailers, streamlining operations and providing a secure environment for transactions. By moving toward a more agile and technology-driven buying process, the industry can adapt to the uncertainties of modern trade while maintaining profitability.

Conclusion

The everchanging weather patterns, driven by global warming, have created a host of challenges for the textile industry. From disrupted buying cycles and inventory risks to uneven demand and shifting consumer preferences, the traditional ways of doing business are no longer sustainable.

To navigate this new reality, the industry must rethink its approach to trade, embracing technology, planning closer to the season, and aligning with real-time demand. By doing so, the textile trade can not only weather the storms of uncertainty but also emerge stronger and more resilient in the face of change.

- Written by Vivek Mehta

वैधानिक चेतावनी

ईनाम कोई भी व्यक्ति हमारे इन ब्राण्ड की नकली सेल्वेज एवं कॉपी करने की सूचना देगा उसको नगद 51,000/-रूपये दिया जायेगा एवं उसका नाम गुप्त रखा जायेगा। सम्पर्क सूत्र- 94141-15394

हम हमारे मुवक्किल मैसर्स SUDHIR SYNTHETICS PRIVATE LIMITED, पता- E-194-B, RIICO IND. AREA, 3RD PHASE, BHILWARA, RAJASTHAN, जरिए प्रबंधक श्री सुरेन्द्र कुमार संखलेचा (एतद् पश्चात् इन्हें उक्त अभिभाष्या कम्पनी के रूप में निर्देशित किया जायेगा)

उक्त अभिभाष्य कम्पनी वर्ष 1991 से रजिस्टर्ड होकर अनवरत रूप से उच्च गुणवत्ता के सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस एवं कपड़ा सामग्री और कपड़े का टुकड़ा उत्पादन व वितरण राजस्थान राज्य सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में एवं विदेशा में विपणन व विक्रय कर रहे हैं।

उक्त अभिभाष्या कम्पनी, जरिए पंजीकृत ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] के व्यापार चिन्ह के नाम से विभिन्न लिखावट, वर्ड मार्क, पहचान चिन्ह, रैपर व अन्य व्यापारिक पहचान रखने वाले तरीकों से ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 में व्यापार चिन्ह के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाण-पत्र, धारा 23 (2) नियम 56 (1) के अंतर्गत रजिस्टर्ड स्वामी एवं मालिक हैं एवं सर्वाधिकार सुरक्षित रखते हैं। साथ ही ट्रेडमार्क धारा 137 अंतर्गत लीगल सर्टिफिकेट प्रमाण-पत्र, जो कि विधि व न्यायिक कार्यवाहियों में उपयोग के प्रदत्त किया जाता है, के स्वामी एवं मालिक हैं।

ट्रेडमार्क "(i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं में अत्यन्त ही लोकप्रिय है। " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] ड्रॉइंग, डिजाइन, कलर स्कीम, गेटअप एवं सामान्तः प्रदर्शन होने वाला लेआउट पर हमारे अभिभाष्या का पूर्ण स्वामित्व है एवं उनके पक्ष में सम्पूर्ण भारत के लिए सर्वाधिकार सुरक्षित हैं।

अतः उक्त ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट के अधिकारों का उल्लंघन करने पर तीन साल तक कारावास एवं दो लाख रूपये तक का जुर्माना दीवानी फौजदारी मुकदमा किया जाएगा।

अभी हाल ही में हमारे मुवक्किल विजिलेंस टीम की जानकारी में आया है कि कुछ व्यापारी एवं " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] नाम अमना रैपर पैकिंग व गुडविल का दुराश्यतापूर्वक नाजायज लाभ उठाने के लिए कपटपूर्वक तरीके से " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] के हुबहु जैसा एवं मिलता-जुलता नकली लेबिल एवं मार्का लगाकर घटिया क्वालिटी का सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस एवं कपड़ा सामग्री और कपड़े का टुकड़ा एवं सामग्री बनाकर व बेच रहे हैं, जो कि दीवानी व फौजदारी प्रवृत्ति का गम्भीर अपराध है।

जनहित में समस्त को यह चेतावनी दी जाती है कि " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] के हुबहु एवं मिलता-जुलता, भ्रांतिमक नकली लेबिल एवं मार्का लगाकर माल बनाना बेचना, बेचने के लिए रखना प्रसंस्करण और बुनाई का काम एवं उसका विज्ञापन करना, आयात या निर्यात करना, नकली लेबल मार्का का डिजाइन डार्क ब्लॉक, सिलेण्डर मशीन प्लेट, थैलियों, लेबिल एवं रैपर आदि बनाना, छापना, उनको कब्जे में रखना एवं दूसरे खाली डिब्बे में " (i) SUDHIR[R] SUITINGS & SHIRTING (ii) SILVER DUST[R] युक्त माल को पुनः पैक करना एवं बेचना गैरकानूनी एवं संश्रेय CONGNIZABLE अपराध है। जिसके अंतर्गत पुलिस बिना वारण्ट के सर्च, माल जब्ती की कार्यवाही एवं गिरफ्तार करने का अधिकार रखती है। अतः नक्काल उक्त अपराध को करने से बाज आवें अन्यथा नकल करने वाले के खिलाफ अविलम्ब बिना पूर्व सूचना के सख्त फौजदारी पुलिस रेड्स, सिविल एवं हर्जाना वसूल करने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सूचित रहें।

अधिवक्ता- G.D. BANSAL & ASSOCIATES (RAJASTHAN HIGH COURT, JAIPUR RAJASTHAN)
M-118, MAHESH COLONY, NEAR JP UNDERPASS, JAIPUR-302015
Email: advocategdbansal@gmail.com, Mob.: +91-90012-95042

टेक्सटाइल इण्डस्ट्री में पहली बार समुद्र की लहरों पर कॉर्डेलिया क्रूज में आयोजित एग्जीबिशन

बोनारो वस्त्र उत्सव-8.0 ने रचा इतिहास

सूरत/ सत्य प्रकाश

21-22 दिसंबर, 2024 को टेक्सटाइल इण्डस्ट्री में पहली बार समुद्र की लहरों पर लग्जरी सुविधाओं से सुसज्जित कॉर्डेलिया क्रूज में आयोजित 'बोनारो वस्त्र उत्सव-8.0' अभूतपूर्व सफल रहा। इस एग्जीबिशन की शानदार सफलता से इवेंट कम्पनी श्री गोविंदम ने भारतीय टेक्सटाइल इण्डस्ट्री में एक नया अध्याय लिख दिया है। यह आयोजन निर्माताओं, व्यापारियों और एजेंटों के लिए न केवल व्यापारिक बल्कि नेटवर्किंग और अनुभव की दृष्टि से भी बेहद खास रहा। सूरत के टॉप साड़ी ब्राण्ड्स एवं लहंगा निर्माता विशेष तैयारी के साथ इस आयोजन में पहुँचे और आमंत्रित एजेंट्स एवं होलसेलर्स के समक्ष इन्होंने अपने नवीनतम कलेक्शन का शानदार डिस्प्ले किया, जिसके प्रत्युत्तर में व्यापारियों ने आगामी सीजन की तैयारी के मद्देनजर जमकर बुकिंग करवाई। क्रूज की अविस्मरणीय यादें संजोते हुए व्यापारियों ने 'बोनारो वस्त्र उत्सव-8.0' के इस सीजन की जमकर सराहना की तथा ऐतिहासिक इवेंट बताया।

सूरत के प्रसिद्ध साड़ीज एवं लहंगा निर्माताओं संग टॉप टेक्सटाइल एजेंट्स एवं देश के नामचीन होलसेलर्स ने की शिरकत

प्रॉडक्ट प्रजेंटेशन एवं फैशन शो

21 दिसंबर की रात प्रॉडक्ट प्रजेंटेशन एवं भव्य फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें सूरत के 13 कपड़ा निर्माताओं द्वारा डिजाइनर साड़ियों और लहंगों के नवीनतम कलेक्शन प्रदर्शित किए गए। यह शो न केवल सौंदर्य और रचनात्मकता का प्रदर्शन था, बल्कि आगामी सीजन में व्यापारियों के लिए एक गाइड भी साबित हुआ। 22 दिसंबर की दोपहर एग्जीबिशन शुरू हुआ, जिसमें टेक्सटाइल इण्डस्ट्री के 200 बड़े व्यापारी और 50 प्रमुख कपड़ा एजेंट्स ने हिस्सा लिया। यह आयोजन व्यापारिक नेटवर्किंग और लेटेस्ट कलेक्शन के प्रदर्शन का अनूठा मंच बना। 'बोनारो वस्त्र उत्सव' के फाउंडर एवं श्री गोविंदम के डायरेक्टर श्री भरत हरियाणी ने इसे टेक्सटाइल उद्योग के लिए एक क्रांतिकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापार के विस्तार का अवसर है, बल्कि इसे एक नए स्तर पर ले जाने का माध्यम भी है। श्री भरत हरियाणी ने 3B (BUSINESS, BUSINESS & BUSINESS) के फॉर्मूले पर इस इवेंट को नई ऊँचाई दी।

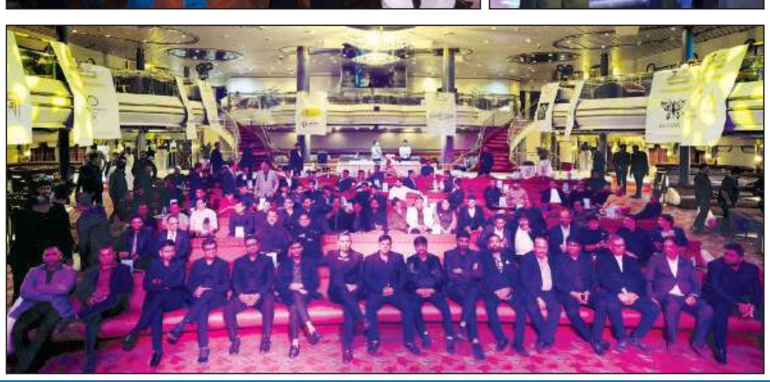

टेक्सटाइल सेक्टर में स्थापित किए नये आयाम

48 घंटों के इस महाआयोजन ने व्यापारियों को एक-दूसरे से जुड़ने एवं अपने व्यवसाय को नई दिशा देने का मौका दिया। अरब सागर की लहरों पर क्रूज में आयोजित बोनारो वस्त्र उत्सव -2024 में शिरकत करने वाले टेक्सटाइल इंडस्ट्री के दिग्गजों ने बेहतरीन अनुभव बताया। इस ऐतिहासिक इवेंट में टेक्सटाइल निर्माताओं, एजेंट्स एवं होलसेलर्स के उत्साह ने यह साबित कर दिया कि अगर सोच अनोखी हो, तो व्यापारिक आयोजनों को भी लग्जरी और नेटवर्किंग का हिस्सा बनाकर नए आयाम दिए जा सकते हैं।

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

BEYOND EXTRAORDINARY

SCAN THE QR CODE TO VIEW THE VIDEO

PLEASE FOLLOW THE STEPS TO SCAN THE QR CODE

1 Open Google Lens. 2 Tap the magnifying glass icon. 3 Point your camera at the QR code. 4 Tap the pop-up that appears to view the QR code content.

Available at J.Hampstead Exclusive Brand Outlets: Borivali | Navi Mumbai | Nawanshahr (Punjab) | Palanpur | Ratlam | Vadodara | Gwalior | Lucknow
Also, available at all the leading retail outlets and Siyaram's SHOP across the country.
For trade/corporate enquiries, contact: 022-68330500. | Toll-free No.: 1800 209 4005. For franchise enquiries, contact: +91 98333 67616.
Email: enquiries.jhampstead@siyaram.com | Follow us on:

J.HAMPSTEAD द्वारा स्प्रिंग समर कलेक्शन -2025 की धमाकेदार बुकिंग

4वे लाइक्रा में अच्छी डिमाण्ड

मुम्बई/ नई सुबह एवं नए जोश के साथ टेक्सटाइल सेक्टर के प्रीमियम फैब्रिक एवं अपेरल ब्राण्ड J. HAMPSTEAD ने नये साल की शुरूआत में स्प्रिंग समर कलेक्शन -2025 की धमाकेदार लॉञ्चिंग कर दी है। गुरूग्राम (दिल्ली एनसीआर) के पांच सितारा होटल ली-मेरीडियन में 22 दिसम्बर से 28 दिसम्बर, 2024 को आयोजित इस कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ कम्पनी के युवा एवं डायनेमिक डायरेक्टर श्री अवनीश पोद्दार, बिजनेस हेड J. HAMPSTEAD श्री विजय जैन एवं भारत भर से पधारे सभी व्यापारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में 500 से अधिक व्यापारियों ने पहुँचकर कम्पनी के इस नये कलेक्शन की जमकर प्रशंसा की तथा बढ़-चढ़कर बुकिंग भी कराई।

मंत्रमुग्ध करने वाला फैब्रिक... कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी द्वारा आने वाले सीजन को ध्यान में रखते हुए विशाल कलेक्शन का डिस्पले किया, जिसमें रेग्युलर क्वालिटियों के साथ-साथ सूटिंग-शर्टिंग के नये प्लेन कलर्स की शृंखला, चैक्स एण्ड स्ट्राइप्स, डोबीज एवं स्ट्रेच फैब्रिक के शानदार डिजाइन्स अद्भुत कलेक्शन के साथ पेश किए। इस कॉन्फ्रेंस में सबसे शानदार कलर ऑफ द ईयर 'रोज गोल्ड' रेंज की व्यापारियों ने जमकर सराहना की। इसके अलावा सूटिंग-शर्टिंग में लाइक्रा के उत्पादों की डिमाण्ड सबसे अलग देखने को मिली।

शर्टिंग कलेक्शन को देखकर व्यापारी हुए अभिभूत

J.HAMPSTEAD
WORLD'S FINEST FABRIC & APPAREL
A DIFFERENT LEAGUE

Expanda (Poly Wool 4 way Lycra)

लाइक्रा सूटिंग की यह रेंज कम्पनी के लिए काफी उपयोगी साबित हुई। पॉलीवूल उत्पादों में 4वें लाइक्रा रेंज बनाने वाला यह पहला ब्राण्ड है।

St. JAMES

ब्लेक कलर में कम्पनी द्वारा 10 तरह की विशेष डिजाइंस पेश की गई। Raven Black रेंज को काफी प्रशंसा मिली।

CAMLET (QUARTAQ).... TR सूटिंग में कुर्तो के इस नये कलेक्शन को देखकर रिटेलर्स का अच्छा प्रतिसाद मिला। शानदार क्वालिटी एवं कलर कलेक्शन देखकर व्यापारी बुकिंग कराने पर विवश हो गये। कम्पनी में मिड नाइट की नयी रेंज प्रस्तुत की, जिससे व्यापारियों ने बहुत पसंद किया।

शर्टिंग के चार कैटलॉग लॉञ्च... श्री विजय जैन ने बताया कि कम्पनी द्वारा इस कॉन्फ्रेंस में शर्टिंग के 4 नये कैटलॉग पेश किये गए, जिसमें प्रदर्शित प्रिंट रेंज देखकर सभी व्यापारी मंत्रमुग्ध हो गये। शर्टिंग क्वालिटियों का विशाल कलेक्शन देखकर व्यापारी काफी खुश हुए एवं अच्छी बुकिंग दी। कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी द्वारा टेंसिल, मोडाल, 100 प्रतिशत कॉटन शर्टिंग, एक्जोजिट कुर्ता कलेक्शन, मलबरी सिल्क ब्लैण्डेड फैब्रिक एवं लिनन ब्लैण्डेड शर्टिंग कलेक्शन की जबरदस्त रेंज प्रस्तुत की गई, जो सभी रिटेलर्स को काफी पसंद आयी एवं सभी ने जबरदस्त बुकिंग करायी।

नये साल की शुरूआत सफलतम सेल्स कॉन्फ्रेंस से... कम्पनी के डायरेक्टर श्री अवनीश पोद्दार ने कहा कि कम्पनी ने अपने व्यापारियों के साथ मिलकर नये साल- 2025 का जबरदस्त आगाज किया। यह सबसे सफलतम कॉन्फ्रेंस है। इसमें व्यापारियों का बहुत ही शानदार रिस्पॉन्स एवं आशातीत बुकिंग भी मिली। साथ ही नये डवलपमेण्ट्स को जबरदस्त सराहना मिली, जिससे आगामी कॉन्फ्रेंस से हमारा हौंसला काफी बढ़ेगा। अन्त में बिजनेस हैड श्री विजय जैन ने सभी व्यापारियों को अच्छी बुकिंग देने एवं नये डपलपमेण्ट्स की सराहना करने के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

विशेष उपस्थिति

इस कॉन्फ्रेंस में विशेष उपस्थिति श्री सूर्यनारायण गुप्ता की रही, जो निजामाबाद (तेलंगाना) के विधायक एवं वहाँ के सबसे बड़े रिटेल काउण्टर 'किसान' के संस्थापक भी है। उन्होंने इस कॉन्फ्रेंस में पधारकर चार-चाँद लगाए एवं कम्पनी के इस नये कलेक्शन की जमकर प्रशंसा की। कम्पनी के डायरेक्टर श्री अवनीश पोद्दार एवं श्री विजय जैन द्वारा श्री गुप्ता को शॉल एवं गुलदस्ता भेंट कर विशेष स्वागत सत्कार किया एवं अपना बहुमूल्य समय निकालकर पधारे, इसलिए उनका आभार प्रकट किया।

MINISTRY OF TEXTILES
Government of India
सत्यमेव जयते
INSPIRED BY THE 5F VISION
FARM TO FIBRE TO FACTORY TO FASHION TO FOREIGN
INDIA'S LARGEST GLOBAL TEXTILE EVENT RETURNS
Bharat tex 2025
Global Textile Expo
New Delhi | Feb 14-17
TEXTILES
FASHION
SUSTAINABILITY
VENUE
BHARAT MANDAPAM, NEW DELHI, INDIA
5,000+ EXHIBITORS
6,000+ OVERSEAS BUYERS
1,20,000+ TRADE VISITORS
2,20,000+ SQ. METERS EXHIBITION AREA
60+ Knowledge Sessions | 110+ Countries | 20,000+ Textile Products
PLATINUM PARTNERS
ADITYA BIRLA GROUP
Reliance Industries Limited
GOLD PARTNER
TRIDENTGROUP Being different is normal
Welspun LIVING
SILVER PARTNERS
Arvind FASHIONING POSSIBILITIES
SHAHI
Vardhman
FASHION PARTNER
PDS
SUSTAINABILITY PARTNER
gokaldas exports ltd.
BRONZE PARTNER
INDORAMA
Scan here for a Hosted Buyer Program
Visit: www.bharat-tex.com
Follow us on: /Bharat_tex /bharat_tex/ /bharattex2025 /showcase/bharattex/ /@BharatTex